

विजय शाह का ऐसा क्या महत्व है?

—जाल खंभाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 4 सितम्बर। मध्य प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट के सामने अपने उस फैसले का बचाव करने की तैयारी कर रही है, जिसमें उसने आर्मी ऑफिसर कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में सीनियर कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह की विवादित टिप्पणी पर मुकदमा चलाने की मंजूरी नहीं दी थी।

कानूनी विशेषज्ञों, मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जांच-पड़ताल के बाद, आने वाले दिनों में

- एम.पी. ने सारे छोड़े खोल रखे हैं, विजय शाह के पक्ष में?

राज्य सरकार का जवाब सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किए जाने की उम्मीद है। इस जवाब का मुख्य आधार पांच बिंदुओं वाला बचाव है, जिसमें बताया गया है कि कैबिनेट क्यों मानती है कि शाह पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है।

सरकार का पहला तर्क यह है कि विवादित बयान के बाद विजय शाह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए कोई व्यक्ति आगे नहीं आया। माना जा रहा है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट को बताएगी कि टिप्पणी को लेकर राजनीतिक और सार्वजनिक विवाद के बावजूद, किसी भी निजी शिकायतकर्ता ने मंत्री के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग नहीं की।

दूसरा तर्क यह है कि शाह ने अपने बयान में कर्नल सोफिया कुरैशी का नाम (शेष पृष्ठ 5 पर)

राहुल गांधी के प्र.मंत्री बनने में भाजपा से बड़ा रोड़ा सहयोगी दल हैं

इण्डिया ब्लॉक के घटक, इस गठबंधन को, मुख्य रूप से भाजपा को पराजित करने का माध्यम तो मानते हैं, पर वे इसे राहुल गांधी को प्र.मंत्री बनाने का जरिया नहीं मानते

—जाल खंभाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 4 सितम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए 7, लोक कल्याण मार्ग (पहले रेस कोर्स रोड) या ज्यादा सही कहें तो, नए भारत में प्रधानमंत्री कार्यालय तक का रास्ता हर गुजरते साल के साथ थोड़ा और मुश्किल होता जा रहा है।

कांग्रेस लगातार यह बात कह रही है कि 2029 में “इंडिया” गठबंधन की ओर से राहुल गांधी ही प्रधानमंत्री पद के स्वाभाविक उम्मीदवार होने चाहिए। फिर भी, इस महत्वाकांक्षा में सबसे बड़ी बाधा शायद भाजपा न हो। हो सकता है कि वे सहयोगी ही बाधा बनें, जिनका समर्थन राहुल गांधी को शीर्ष पद तक पहुंचने के लिए चाहिए होगा।

ताजा विवाद तमिलनाडु को लेकर

- यह सोच राहुल गांधी के प्र.मंत्री बनने में सबसे बड़ा रोड़ा है।
- यह सच है कि राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस ने काफी मजबूती हासिल की है तथा इस मजबूती की वजह से राहुल को लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद मिला। पर, मजबूत कांग्रेस का सीधा अर्थ यह नहीं होता कि राहुल गांधी विपक्ष के सर्वमान्य प्र.मंत्री उम्मीदवार भी बन गए हैं।
- अंततोगत्वा, इण्डिया ब्लॉक का प्र.मंत्री पद का उम्मीदवार बनना, इस बात पर निर्भर करेगा कि कांग्रेस कितनी सीटें जीतती है तथा चुनाव के बाद भी राजनीतिक सौदेबाजी में उसकी तुलनात्मक स्थिति क्या है?

है।

राज्य में कांग्रेस नेताओं ने दावा

किया है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री (शेष पृष्ठ 5 पर)

नया नीतीश कुमार कौन होगा?

—जाल खंभाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 4 सितम्बर। इक्कीस अगस्त से बिहार की राजनीति में हलचल मची हुई है, जब राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रमुख उपेन्द्र कुशवाहा ने राजगीर में अपनी पार्टी के तीन दिवसीय कैप में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विरासत के बारे में बात की थी।

ऊपर से तो कुछ ख़ास होता नहीं दिख रहा, लेकिन अंदर ही अंदर कुछ पक रहा है: सवाल यह है कि नीतीश की राजनीतिक विरासत का अब क्या होगा,

- उपेन्द्र कुशवाहा ने यह स्थान पाने के लिए काफी तर्कपूर्ण राजनीतिक सोच प्रस्तुत किये।

जब वे राज्य की सक्रिय राजनीति के केन्द्र से हट गए हैं। उस विरासत के लिए मुकाबला अभी खुलकर शुरू नहीं हुआ है। लेकिन उसके लिए दावेदारी होने लगी है।

आरएलएम कैप में, कुशवाहा ने एक ऐसा नजरिया पेश किया, जिस पर चर्चा होनी ही थी। उन्होंने नीतीश के बारे में और इस बारे में बात की कि नीतीश की विरासत को कौन आगे बढ़ाएगा। उनकी बात उत्तराधिकार का कोई सीधा दावा नहीं थी। फिर भी, इसके राजनीतिक निहितार्थ को नजरअंदाज करना मुश्किल था।

नीतीश के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर न रहने के कारण, राजनेता और जनता (शेष पृष्ठ 5 पर)

अब हार्पर कॉलिन्स छापेगा सोनिया गांधी की आत्मकथा

जाने-माने प्रकाशक पैन्विन ने पहले यह छापने की घोषणा की थी, पर, कुछ अंशों पर तब्दीली करने की मांग की थी, जो सोनिया गांधी ने स्वीकार नहीं की तथा “डील” रद्द हो गई थी

—जाल खंभाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 4 सितम्बर। हार्पर कॉलिन्स इंडिया 10 नवंबर को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की यादों पर आधारित किताब “बिलॉगिंग: अ जर्नी ऑफ़ लव” पब्लिश करेगा।

इस किताब को एक रोमांचक और बेहद निजी कहानी बताया गया है, जो भारत की यात्रा का एक आंतरिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। अनुमान है कि इसमें युद्ध के बाद के इटली में सोनिया गांधी के बचपन, नेहरू-गांधी परिवार में उनकी शादी और राजनीति में उनके आने की घटनाओं को कवर किया गया है।

दुनिया भर में पब्लिश होने से पहले ही, इस किताब ने काफी अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है।

शुरूआत में दिलचस्पी दिखाने के बावजूद, पैन्विन रैंडम हाउस इंडिया के साथ इस किताब को पब्लिश करने की वार्ता के दौरान “गतिरोध” आ गया था।

- किताब, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी भारी चर्चित हो गई है, छपने से पहले ही।
- अनुमान है, आत्मकथा में, सोनिया गांधी ने, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की इटली तथा वहाँ उनके बचपन, फिर राजीव गांधी से शादी, उनका नेहरू-गांधी परिवार का हिस्से बनने, राजीव गांधी की हत्या तथा राजनीति में उनके प्रवेश पर काफी विस्तार से लिखा है।

हार्पर कॉलिन्स इंडिया ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की आत्मकथा 10 नवंबर को पब्लिश करेगा।

हार्पर कॉलिन्स ने एक बयान में कहा, “राजनीतिक संस्मरण “बिलॉगिंग”, जिसका इस समय सबसे ज्यादा इंतजार है, प्यार, पहचान, कर्तव्य और अपनेपन की एक रोमांचक और बेहद निजी कहानी है, और यह भारत की यात्रा को देखने का एक अनोखा अंदरूनी नजरिया देती है।”

कांग्रेस नेता की इस बहुप्रतीक्षित

किताब के भारत में पब्लिश होने को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं। अमेरिका स्थित विख्यात पब्लिशिंग हाउस, “अल्फ्रेड ए नॉर्फ”, जो पैन्विन हाउस का एक ब्रांड है, ने कहा था कि यह किताब 10 नवंबर को दुनिया भर में रिलीज की जाएगी।

इस घोषणा के बाद, पैन्विन रैंडम हाउस इंडिया ने कहा कि वह किताब को पब्लिश करने के लिए उत्सुक था, लेकिन बातचीत के दौरान “एक ख़ास मुद्दे” पर गतिरोध पैदा हो गया था। (शेष पृष्ठ 5 पर)





नगर निकाय चुनाव में कमल खिलाना है विकास को आगे बढ़ाना है

भाजपा सरकार की नीति और नीयत से बदली राजस्थान की किस्मत

युवा शक्ति को अवसर, राजस्थान को नई उड़ान

कौशल विकास एवं शिक्षा

- 3.58 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण
- 88,724 विद्यार्थियों को टैबलेट/लैपटॉप वितरण
- 42,509 युवाओं को मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना का लाभ

रोजगार एवं भर्ती

- 1.88 लाख सरकारी पदों पर नियुक्तियां
- 1.22 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन
- 70,031 पदों पर भर्ती की तैयारी

पारदर्शी भर्ती

- भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए एसआईटी का गठन
- पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय हुए पेपर लीक के 569 आरोपियों की गिरफ्तारी और 157 एफआईआर दर्ज
- 410 भर्ती परीक्षाएं बिना किसी पेपर लीक के सफलतापूर्वक आयोजित

टेक्नोलॉजी एवं भविष्य

- राजस्थान AI-ML पॉलिसी लागू
- AVGC-XR पॉलिसी से एनीमेशन, गेमिंग और डिजिटल रोजगार को बढ़ावा



निकाय चुनाव हेतु भाजपा का संकल्प पत्र

स्टार्टअप एवं नवाचार

- राज्य में स्टार्टअप की संख्या बढ़कर 8,780
- स्टार्टअप निवेश ₹250 करोड़ से बढ़कर ₹1,054 करोड़
- 9 इंक्यूबेशन सेंटर और 65 लॉन्चपैड स्थापित
- 1,062 स्टार्टअप्स को ₹33.94 करोड़ की फंडिंग

कमल का बटन दबाएं



भाजपा को जिताएं

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान



पढ़ने के लिए QR कोड स्कैन करें

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिएं। –रोबिन शर्मा

राजस्थान विश्वविद्यालय के लिए नए कुलपति की तलाश

राष्ट्रीय स्तर पर विद्वता, प्रशासनिक एवं आर्थिक चुनौतियां से निपटने की कौशलता, जेन जेड व जेन अल्फा की अपेक्षाओं के अनुसार दूर दृष्टि रखने वाला हो अगला कुलपति/कुलगुरु

राजस्थान विश्वविद्यालय में सितंबर माह में नए कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ होने के साथ ही विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा जगत में इस पद को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। यह भी सुनने में आ रहा है कि अपने नाम के आगे कुलपति लिखे जाने का स्वप्न संजोये कुछ लोग इस महत्वपूर्ण पद के लिए राजनीतिक और अन्य स्तरों पर साम, दाम, दंड भेद के साथ सक्रिय हो गए हैं। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि किसी जमाने में राजस्थान विश्वविद्यालय का कुलपति केवल एक प्रशासनिक पद नहीं, बल्कि राज्य की उच्च शिक्षा की दिशा तय करने के साथ राज्य सरकारों को भी अपनी विद्वता से मार्गदर्शन देने का एक मजबूत जरिया माना जाता था, राज्य सरकारें ही नहीं बड़े-बड़े राजनेता भी कुलपतियों से मार्गदर्शन की प्रतीक्षा में रहते थे, लेकिन पिछले कुछ समय से हालात ऐसे बदले हैं कि इस विश्वविद्यालय के कुलपतियों को मुख्यमंत्री की तो छोड़िए अधिकांशत उच्च शिक्षा एवं वित्त विभाग से जुड़े कनिष्ठ अधिकारियों से मिलने के लिए भी लंबी प्रतीक्षा के दौर से गुजरना पड़ता है, हालांकि पदासीन कुलपति विश्वविद्यालय के कुछ गंभीर नीतिगत मामलों जैसे पेंशन का दायित्व राज्य सरकार द्वारा लिए जाने जैसे अन्य गंभीर विषयों को लेकर विश्वविद्यालय से जुड़े प्रतिनिधियों को यह कहते हुए जरूर नजर आते हैं, कि इस संबंध में आपने मुझे क्यों नहीं बताया, मैं आपकी शीघ्र ही मुख्यमंत्री से वार्ता तय हो जाएगी।

एक समय अपनी उत्कृष्ट अकादमिक परंपरा, शोध गतिविधियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के लिए प्रसिद्ध रहा राजस्थान विश्वविद्यालय आज प्रमुख रूप से गंभीर आर्थिक हालातों के साथ, अपनी शैक्षणिक गतिविधियों की गतिशीलता को लेकर आने वाली गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण कुलपतियों द्वारा ही सार्वजनिक रूप से यह कहा जाना कि विश्वविद्यालय स्तर पर पेंशन की व्यवस्था अब कुछ महीनों के लिए ही संभव हो पाएगी, राज्य सरकार ने ग्रेज्युटी की राशि को बहाकर 25 लाख कर दिया है, लेकिन राजस्थान विश्वविद्यालय अपने गंभीर आर्थिक हालातों के चलते पिछले लंबे समय से इस राशि को

एक समय अपनी उत्कृष्ट अकादमिक परंपरा, शोध गतिविधियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के लिए प्रसिद्ध रहा राजस्थान विश्वविद्यालय आज प्रमुख रूप से गंभीर आर्थिक हालातों के साथ, अपनी शैक्षणिक गतिविधियों की गतिशीलता को लेकर आने वाली गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण कुलपतियों द्वारा ही सार्वजनिक रूप से यह कहा जाना कि विश्वविद्यालय स्तर पर पेंशन की व्यवस्था अब कुछ महीनों के लिए ही संभव हो पाएगी।

विद्वतापूर्ण प्रतिष्ठा के आधार पर सीधे राज्य के मुख्यमंत्री स्तर पर विश्वविद्यालय से जुड़ी समस्याओं के समाधान की क्षमता रखता हो। यह सही है कि निजी शिक्षा माफियाओं के रचे गए सफल षड्यंत्रों के कारण, पहले केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वरूप से इसे वंचित करना, और बाद में इसके क्षेत्राधिकार को संकुचित करने के साथ ही, बिना किसी प्रभावी व्यवहारिक योजना के अभाव में इसके क्षेत्राधिकार से जुड़े सीकर भरतपुर अलवार जिलों के साथ क्षणिक राजनीतिक लाभ के लिए नए-नए विश्वविद्यालय खोल देने के कारण, इस विश्वविद्यालय के लगातार घटते संसाधनों और वित्तीय दबावों ने विश्वविद्यालय की स्थिति को अत्यंत कठिन बना दिया है। ऐसी परिस्थितियों में विश्वविद्यालय को ऐसे कुलगुरु/ कुलपति की आवश्यकता है जो केवल एक विद्वान ही नहीं, बल्कि कुशल प्रशासक, दूरदर्शी योजनाकार और अनुचित दबावों में अपने पद की परवाह किए बिना सरकार विशेष रूप से राजस्थान के मुख्यमंत्री के समक्ष विश्वविद्यालय का पक्ष प्रभावी ढंग से रखने की क्षमता रखता हो।

आगे आने वाली 3 सालों में विदेशी विश्वविद्यालयों तथा आधुनिक सुविधाओं से युक्त कुछ प्रतिष्ठित निजी उच्च शिक्षण संस्थानों के राजस्थान, विशेषकर जयपुर, में विस्तार की संभावनाएं भी राजस्थान विश्वविद्यालय के सामने नई प्रतिस्पर्धा प्रस्तुत करेंगी। इस चुनौती का सामना वही नेतृत्व कर सकता है जो वैश्विक उच्च शिक्षा में हो रहे परिवर्तनों को गहराई से समझने की क्षमता रखता हो, और अपेक्षाओं के अनुरूप नवाचारों को अपनाने का सामर्थ्य भी उसमें हो, इन सारे आयामों के साथ कम से कम विश्वविद्यालय को ऐसा कुलपति न मिल जाए जो विश्वविद्यालय परिसर की 365 एकड़ भूमि के साथ संघटक महाविद्यालयों से जुड़ी लगभग ढाई सौ एकड़ भूमि, जिसका वर्तमान में अरबो रुपए बाजार मूल्य है, पर गिद्ध दृष्टि लगाए बैठे प्रभावशाली भू माफियाओं के रचे जाने वाले षडयंत्रों का हिस्सा हो बन जाए। राजस्थान विश्वविद्यालय को आज किसी गुट, विचारधारा या व्यक्तिगत विद्वेषों के आधार पर दुर्भावना एवं शरारतपूर्ण कार्यवाही कर अपने ही विश्वविद्यालय से जुड़े साधियों को प्रताड़ित करने वाला प्रतिनिधि नहीं, बल्कि पूरे विश्वविद्यालय परिवार का विश्वास जीतने वाला असली नेतृत्वकर्ता चाहिए, जो राज्य सरकार के अन्य वित्तपोषी विश्वविद्यालयों के लिए भी एक प्रेरणादायक मिसाल बन सके।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. भूपेंद्र सिंह शेखावत,
राजस्थान विश्वविद्यालय।



श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

शिक्षक नियति-निर्माता होते हैं। करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन में विद्या, कौशल, नैतिकता और प्रेरणा का संचार करने वाले शिक्षकों के प्रति सभी देशवासियों की ओर से, 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर, मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूं। यह सर्वविदित है कि हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चाहते थे कि उनका जन्मदिन 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए। वे विश्वविख्यात विद्वान, विभागों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए पूर्व सरकार में ही लागू हो चुकी 9 18 27 की पदोन्नति योजना भी विश्वविद्यालय के अशैक्षणिक कर्मचारियों के लिए लागू करने का साहस विश्वविद्यालय अपने खस्ता आर्थिक हालातो के चलते नहीं उठा पा रहा है, उच्च शिक्षा विशेषज्ञों और मीडिया से जुड़े मेरे वरिष्ठ साधियों का मानना है कि आने वाले तीन वर्ष विश्वविद्यालय के अस्तित्व और भविष्य के लिए महत्वपूर्ण दिशा तय करेंगे, ऐसे संवेदनशील समय में राजस्थान विश्वविद्यालय को इस पद के लिए प्रशासनिक कौशलता एवं विद्वता की दृष्टि से ऐसे व्यक्तित्व की नितांत आवश्यकता होगी, जो अपनी स्थापित

राष्ट्रपति के रूप में। कलाम साहब ने उत्तर दिया कि वे चाहेंगे कि उन्हें एक शिक्षक के रूप में याद किया जाए। शिक्षक श्रद्धेय हों और विद्यार्थी श्रद्धालु हों, यही हमारा आदर्श रहा है। हमारे प्राचीन ग्रन्थों में कहा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी संतान की तरह प्यार करें, उनसे भेदभाव रहित समानता का व्यवहार करें, उन पर क्रोध न करें, धैर्यवान हों, विद्यार्थियों के कल्याण पर दृष्टि केन्द्रित रखें तथा उनकी ग्रहण शक्ति के अनुसार शिक्षा प्रदान करें। ऐसे शिक्षकों के प्रति सम्मान के भाव से ही लगभग तीन हजार वर्ष पहले, तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षालता में 'आचार्यदेवो भव' का संदेश दिया गया है।

सौभाग्य से अपने विद्यार्थी जीवन

सुरेश्वर : जहां बच्चों के सपनों के बगीचे में फैली है कला की खुशबू

कला को रचनात्मकता से जोड़ दे रहे हैं हकीकत की उड़ान



बनवारी यादव

अरावली की पहाड़ियों के पास बसे जालोर के एक छोटे-से गांव पांडगरा में करीब 100 बच्चे हर सुबह एक उम्मीद के साथ उठते हैं-आज स्कूल जाना है, कुछ नया सीखना है, कुछ नया बनाना है। लेकिन इन बच्चों के लिए स्कूल तक पहुंचने का रास्ता हमेशा आसान नहीं था।

घुमंतु, राईका, रवारी परिवारों की सीमित और अनिश्चित आमदनी में फीस, किताबें, कॉपियां, स्टेशनरी और

स्कूल ड्रेस जैसी जरूरतें भी कई बार बड़ी बोझ बन जाती थीं। पढ़ने की इच्छा थी, सपने थे, लेकिन उन सपनों के रास्ते में आर्थिक परेशानियां खड़ी थीं। इसी जरूरत को महसूस करते हुए वर्ष 2022 में सुरेश्वर की शुरुआत हुई। यह सिर्फ एक स्कूल खोलने की पहल नहीं थी, बल्कि उन बच्चों तक शिक्षा पहुंचाने की कोशिश थी, जिनके लिए स्कूल की दहलीज तक पहुंचना भी कभी चुनौती हुआ करता था। आज सुरेश्वर में बच्चे सिर्फ किताबें पढ़ने नहीं आते। वे यहां अपनी कल्पनाएं लेकर आते हैं। कोई काराज पर रंग भरता है, कोई अपनी दुनिया चित्रों में उतार देता है, तो कोई ऐसे सवाल पृष्ठता है जिनके जवाब शायद किताबों में भी आसानी से न मिलें। यहां हर सवाल को सुना जाता है। क्योंकि सुरेश्वर के लिए बच्चों को केवल सीधे जवाब देना जरूरी नहीं है, उनके भीतर सवाल पृष्ठने की हिम्मत को बचाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

सुरेश्वर की इस कहानी के पीछे

हैं खुशबू चारण, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपने अनुभवों के दौरान एक बात को बहुत करीब से महसूस किया- बच्चों के बीच रहना और उनके सपनों को आकार लेते देखना उन्हें सबसे ज्यादा खुशी देता है। इसी एहसास ने उन्हें ऐसा स्कूल बनाने की प्रेरणा दी, जहां बच्चे सिर्फ पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रहें, बल्कि अपनी रचनात्मकता और कल्पनाओं के आकाश में खुलकर उड़ सकें। आज सुरेश्वर में 100 बच्चों की अपनी एक छोटी-सी दुनिया है। यहां हंसी है, शरारतें हैं, रंग हैं, सवाल हैं और सबसे बढ़कर-सपने हैं। सुरेश्वर की कहानी अभी पूरी नहीं हुई है। यह उन 100 बच्चों के साथ हर दिन आगे बढ़ रही है, जो सुबह अपने छोटे-छोटे सपनों के साथ यहां आते हैं और शाम को अपने साथ कुछ नया लेकर लौटते हैं- कभी कोई चित्र, कभी कोई सवाल, कभी कोई नई सीख और कभी बस एक दिन भर की दर सारी खुशियां।

खुशबू के लिए भी सुरेश्वर कोई



मंजिल नहीं, बल्कि एक सफर है। ऐसा सफर, जिसमें हर बच्चे के साथ एक नया जमाना जुड़ता जाता है।

शायद किसी दिन इन्हीं बच्चों में से कोई अपने गांव की पहली बड़ी उड़ान बनेगा। कोई डॉक्टर, कोई शिक्षक, कोई कलाकार या शायद कुछ ऐसा, जिसका सपना आज उसने खुद न देखा हो और तब सुरेश्वर की सबसे बड़ी कामयाबी उसकी इमारत नहीं होगी, बल्कि वह बच्चा होगा जो कभी स्कूल आने से डरता या रुकता था। और उस उड़ान की यात्रा शुरू हो

चुकी है। ये बच्चे अब पूरे भरोसे से कह रहे हैं- मैं कर सकता हूं, कम कर सकते हैं। वे हर बार सफल नहीं होते, लेकिन हर विफलता पर सफल होने के लिए जरूरी प्रयास बढ़ जाते हैं और असल सफलता यही है कि इन्होंने सफलता और विफलता के असर अर्थ और मकसद समझ लिए हैं। यही है खुशबू की बगिया की इन अनमोल फूलों की असली महक।

–बनवारी यादव,
पीआरओ, सुरेश्वर स्टूडियो,
डीआईटीआर

70 साल से 15 अगस्त पर्व पर, जन-जन में स्वस्फूर्त खुशी के माहौल में मनाया जाना देखते आया हूं

किंतु अब विभाजन विभीषिका को याद कर उसे आजादी पर्व के साथ जोड़ना कितना उपयुक्त ??



महावीर सिंह

प्रातः भ्रमण के समय एक गुरु के बीच चलने वाली वार्तालाप का सार है। यहां ऐसे गुरुस में कई प्रकार के लोग होते हैं। कुछ थोड़ा बहुत गम्भीर अध्ययन करने वाले, कुछ व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी डिग्रीधारी तो कुछ निखालस दिन दुनिया की व्यावहारिकता में पारंगत व्यक्ति और कुछ मेरे जैसे श्रोता। वैसे प्रातः भ्रमणकारीयों, पान व चाय की दुकानों पर चर्चा करने वालों भी दूसरे इसी प्रकार के समूहों पर यह बात काफी हद तक लागू होती है-आधा सुनना, चौथाई समझना शून्य सोचना लेकिन प्रतिक्रिया दोगुनी देना ये चारों हानिकारक हैं। विचार का बिंदु था क्या जल्दी स्वतंत्रता के लिए कोप्रेशियों ने देश विभाजन की बात मानली और यह देश के प्रति महा पाप किया उन्होंने। प्रातः की सैर करने वालों के बीच में उठी ये बात आज भी उतनी ही उलझी हुई है जितनी 1947 में थी। विभाजन का दर्द सांस्कृतिक और भावनात्मक है। हजारों साल की साझी

सभ्यता, गंगा-जमुनी तहजीब, एक भूगोल का एकाएक दो टुकड़ों में बंट जाना उस समय के लोगों के लिए कितना दुखदाई रहा होगा उसकी आज कल्पना करना भी मुश्किल है। 15 लाख लोगों का विस्थापन, खून-खराबा, परिवारों का उजड़ना के नजारे ऐसे देखें तो निश्चित ही यह एक महा त्रासदी थी। इस दृष्टि से विभाजन को राष्ट्र अथवा मानव सभ्यते के देश की आत्मा पर घाव माना जा सकता है। एक तर्क दिया गया कि क्या बातचीत से कोई और रास्ता नहीं निकल सकता था? इस समूह के कुछ व्यक्तियों का तर्क था कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि 90-95 प्रतिशत जनता ने स्वतंत्रता स्वागत किया था। वह जनता जो तीहरी गुलामी में बिना किसी प्रकार के अधिकारों के, नारकीय ज़िंदगी जी रहे थे। इस पक्ष का आधार सामाजिक और राजनीतिक था। सदियों से जिस बहुसंख्य आबादी को जाति, वर्ग और उपनिवेश – तीन स्तरों की गुलामी झेलनी पड़ी थी, उनके लिए 'स्वराज' का मतलब सबसे पहले था – वोट का अधिकार, जमीन का अधिकार, इज्जत का अधिकार।

आजादी की लड़ाई में कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों ने जनता को लामबंद किया था। वर्ष 1946 में भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान मुख्य रूप से प्रांतीय विधानसभाओं और संविधान सभा के लिए मतदान हुए थे। इन चुनावों ने भारत के राजनीतिक भविष्य और देश के विभाजन की दिशा तय की थी। जब 1946 के चुनावों में करोड़ों लोगों ने

पहली बार वोट दिया, तो वो इसी उम्मीद में था कि अब उनकी सुनी जाएगी। इसलिए उनके लिए स्वतंत्रता और विभाजन दोनों ही "गुलामी के अंत" का प्रतीक बन गए थे। एक थोड़े से उग्र दराज व्यक्ति ने कुछ संगठनों की भूमिका पर सवाल उठाया कि हिंदू महासभा और आरएसएस जैसे संगठन उस समय चुनावी राजनीति और जन-आंदोलन से दूरी पर थे। उनका फोकस कुछ अस्पष्ट से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और बाद में वैकल्पिक राजनीति पर रहा। जबकि कांग्रेस ने संविधान अज्ञा, भारत छोड़ो जैसे आंदोलन चलाए, और लीग ने 'पाकिस्तान' के नारे से मुस्लिम वोट को संगठित किया।

क्या विभाजन से अतिरिक्त कोई और विकल्प था आजादी था आजादी का और अगर था तो इंतजार क्यों नहीं किया?? विकल्प काणज पर थे, जमीन पर नहीं। 1946-47 आते-आते हालात इतने बिगड़ चुके थे कि 'ईंजार्ज' का मतलब और अधिक खून-खराबा था। उस समय की परिस्थितया इतनी विकट हो गई थी उसको समझने के लिए इन बातों को ध्यान में रखना जरूरी है:--

सांप्रदायिक आग -- कलकत्ता, नोआखली, बिहार, पंजाब में रोज दंगे हो रहे थे। कानून-व्यवस्था टूट रही थी। ब्रिटिश फौज और पुलिस खुद पीछे हट रही थी। दो राह का विचार जड़ पकड़ चुका -- 1940 लाहौर प्रस्ताव के बाद मुस्लिम लीग ने 'पाकिस्तान' को ही अंतिम मांग बना दिया। 1946 के

चुनाव में लीग को मुस्लिम सीटों की 90 प्रतिशत से ज्यादा मिली। इसका मतलब था करोड़ों मुसलमान अब 'एक साथ' रहना नहीं चाहते। कांग्रेस भी थक चुकी थी -- बहुत से कांग्रेसी नेताओं ने सालों जेलों में बिताए, भारत छोड़ो आंदोलन में लाखों कार्यकर्ता शामिल हुए आजाद भारत के सपने को साकार करने के लिए किंतु इस मुकाम पर उन्हें एक भारत के सपने पर जोड़े रखना अत्यंत कठिन सा लगने लगा था। आम कार्यकर्ताओं की लड़ाई लड़ने की अपनी सीमाएं होती हैं। नेहरू-पटेल को लगा कि अगर अभी सत्ता नहीं ली तो देश गृहयुद्ध में चला जाएगा। रियासतें और अराजकता -- ब्रिटिश जा रहे थे। बीच में कोई खाली जगह नहीं छोड़ सकते थे। अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियां ब्रिटेन के प्रतिरूढ़ होती जा रही थी। दूसरा विश्वयुद्ध खत्म, होते-होते ब्रिटेन खुद दिवालिवा हो चुका था। चर्चिल का चुके, एटली की लेबर सरकार को 'जन्तरी से भारत छोड़ो' का जनादेश था। दुनिया भर में इंडोनेशिया, वियतनाम तथा दूसरे उपनिवेशक देश बस जगह आजादी की मांग तेज थी। ब्रिटेन को "सम्मानजनक निकासी" चाहिए। इसके अंतर्गत भारत – कैबिनेट मिशन 1946 बना और कमरजोर केंद्र, प्रांतों को ज्यादा अधिकार के प्रस्ताव आए। एक भारत के अंतिम प्रयास थे लीग पहले मानी, फिर मुकर गई। कांठोस को भी पूरा भरोसा नहीं था कि

ये चलेगा। इंतजार करने का मतलब था और दंगे। पंजाब-बंगाल पहले ही जल रहे थे। ब्रिटिश रुकने को तैयार नहीं थे। 1947 तक ब्रिटेन में भी जनमत 'भारत छोड़ो' के पक्ष में था। आर्थिक रूप से रुकना उनके लिए संभव नहीं था। इतिहास केवल काला-सफेद नहीं होता। विभाजन एक त्रासदी भी था और लाखों के लिए मुक्ति भी। एक तरफ भूगोल बंटो, दूसरी तरफ करोड़ों लोगों को पहली बार नागरिक बनने का मौका मिला। शायद सबसे सही बात यह थी कि है कि हम विभाजन के दर्द को भूलें नहीं। और साथ ही उन 90 लोगों की आकांक्षा को भी खारिज न करें जिनके लिए 15 अगस्त 1947 सचमुच पहली आजाद सुबह थी। इतिहास को कोसने से बेहतर है उससे सीखें -- हमारे ऐसे वैसे कृत्यों के कारण पुनः देश के टुकड़े न हों, और कोई भी नागरिक बिना अधिकारों के नहीं रहे।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएसएस



पंडित अनिल शर्मा

राशिफल शनिवार 5 सितम्बर, 2026

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 9:31 तक, वज्र योग दिन 12:47 तक, तैलित करण दिन 11:04 तक, चन्द्रमा दिन 10:18 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-बुध, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरु-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह। आज गोगा नवमी, नन्द महोत्सव, अश्वत्थ मारूती पूजन है। आज डा. राधाकृष्णन जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौषडिः शुभ 7:45 से 9:19 तक, चर 12:26 से 1:59 तक, लाभ-अमृत 1:59 से 3:06 तक। राहुकाल: 9:00 से 10:30 तक, सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:40



मेष

आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।



सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। नौकरीशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रमुख बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में लाभवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



धनु

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। आज परिवार में शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



कन्या

स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



मकर

आर्थिक कार्यों से अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।



मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेंगी।



तुला

आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



कुंभ

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



कर्क

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।



वृश्चिक

घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



मीन

घर-गृहस्थी के खर्चों में सुविधाएँ बढ़ेंगी। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

सार-समाचार

मंडफिया में कृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया

मंडफिया, (निर्स)। भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जन्माष्टमी पर्व पर मंदिर को रंग बिरंगे प्राकृतिक एवं कृत्रिम फूलों से सजाया गया। मंदिर बोर्ड एवं प्रशासन द्वारा भक्तों को आरामदायक दर्शन कराने की व्यवस्था की गई। हजारों भक्तों ने शांतिपूर्वक भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के दर्शन किए। इस दौरान हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की एवं सांवलिया सेठ के जयकारों से सर्वत्र वातावरण कृष्ण भक्ति में ओत – प्रोत हो गया। पर्व पर मंदिर परिसर में श्री कृष्ण लीलाओं की जीवंत झांकियां का प्रदर्शन किया गया, जो भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र रही। विभिन्न प्रांतों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने यहां मंदिर परिसर में लगी श्री कृष्ण लीला झांकियों के साथ खूब फोटो, विडियो व सेल्फिया लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट की। जन्माष्टमी पर्व पर मंडफिया कस्बे में दिनभर भक्तों की भारी रेलम पेल रही। पर्व की व्यवस्था में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव, अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं मंदिर के मुख्य निष्पादन अधिकारी दिनेश धाकड़, भदेसर उपखंड अधिकारी रजनी मीणा, मंदिर बोर्ड सदस्य किशन लाल अहीर, पवन तिवारी, हरिराम गाडरी, रामलाल गुर्जर, मिट्टू लाल जाट, मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी राजेंद्र सिंह, मंदिर प्रभारी भेरुगिरी गोस्वामी सहित मंदिर कर्मचारी उपस्थित रहे। जन्माष्टमी पर्व पर कानून व्यवस्था के तहत भारी पुलिस बल तैनात रहा एवं मंडफिया कस्बे में चप्पे-चप्पे पर पुलिस उपस्थित रही। श्री सांवलिया जी जन्माष्टमी महोत्सव समिति के अध्यक्ष विपिन जैन मंडफिया ने बताया कि जन्माष्टमी पर्व पर कस्बे प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर बजरंग अखाड़ा पिपलदा द्वारकाधीश जिला उज्जैन के पहलवान कलाकारों द्वारा उस्ताद हुकमीचंद सोलंकी (गुड्डू भाई) के नेतृत्व में अखाड़ा व मटकी फोड प्रदर्शन किया गया। जूलुस के दौरान कलाकारों ने एक से बढ़कर एक करतब पेश किए जिसको देख कर दर्शक आश्चर्यचकित रह गए। इस मौके पर मटकी फोड एवं करतब कार्यक्रम देखने के लिए महिला एवं पुरुष व बच्चों का भारी हजुम उमड़ पड़ा।

वाहन रैली निकाली

कपासन, (निर्स)। धनगर गाडरी समाज ने अपने आराध्य देव संत शिरोमणि श्री अमराभगत जी की जन्म जयंती और जन्माष्टमी के मौके पर शुक्रवार को वाहन रैली निकाली। रैली का मार्ग में जगह-जगह लुल बरसाकर स्वागत किया गया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां भी शामिल थीं। समाज के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष मोहनलाल गाडरी ने बताया कि रैली की शुरुआत बनाकिया कला के भेरुजी मंदिर से हुई। आसपास के इलाकों से आई वाहन रैलियां भी इसमें शामिल हो गईं। रैली में संत अमराभगत जी की तीन झांकियां लोगों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रही।कपासन के पांच बत्ती चौराहे पर विधायक अर्जुनलाल जीनगर की अगुवाई में भाजपा कार्यकर्ताओं ने वाहन रैली पर फूल बरसाकर स्वागत किया। इस दौरान भाजपा ठामणी मंडल अध्यक्ष दिनेश पाराशर, पूर्व ठामणी मंडल अध्यक्ष शंभुलाल जाट, जीएसएस अध्यक्ष नंदकिशोर टेलर, , पूर्व जिला उपाध्यक्ष मांगीलाल अहीर ,समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे। इसके बाद रैली रूपाखेड़ी, हथियाना, कीरखेड़ा, श्री शनिमहाराज आली, कास्या, मोखमपुरा और भादसीडा चौराहा होते हुए बागुंड पहुंची। यहां से रैली नरबदिया स्थित अनगढ़ बावजी जाकर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुई। रैली के रास्ते में समाज के लोगों और ग्रामीणों ने फूल बरसाकर स्वागत किया।

प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित

उदयपुर, (कासं)।नगर निकाय चुनाव-2026 के तहत चल रही नामांकन प्रक्रिया शुक्रवार को चुनाव चिन्ह आवंटन के साथ पूर्ण हुई। अब दो चरणों में जिले के 6 नगर निकायों के लिए मतदान होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल एवं जिला पुलिस अधीक्षक डॉ अमृता दुहन के निर्देशन में निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण मतदान के लिए व्यापक तैयारियों की जा रही हैं। जिले में उदयपुर नगर निगम सहित 5 नगरपालिकाओं में कुल 190 वार्डों के लिए 521 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। शुक्रवार को सभी निकायों में संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों ने प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी करते हुए चुनाव चिन्ह आवंटित किए। उदयपुर नगर निगम में 80 वार्डों के लिए 220 प्रत्याशी, कानोड़ में 20 वार्डों के लिए 52, भीण्डर में 25 वार्डों के लिए 58, मावली में 20 वार्डों में 59 प्रत्याशी, फतहनगर-सनवाड़ में 25 वार्डों में 65 तथा वल्लभनगर में 20 वार्डों के लिए 67 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार उदयपुर जिले में नगर निकाय चुनाव के लिए मतदान 2 चरणों में प्रस्तावित है। प्रथम चरण में 9 सितम्बर को नगरपालिका भीण्डर, वल्लभनगर और फतहनगर-सनवाड़ में मतदान होगा। वहीं द्वितीय चरण में 11 सितम्बर को नगर निगम उदयपुर, नगरपालिका कानोड़ और मावली में मतदान प्रस्तावित है।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के दो आरोपी दबोचे

राजसमंद, (निर्स)। राजनगर थाना पुलिस ने भोले-भाले लोगों को चिकनी-चुपड़ी बातों में उलझाकर एटीएम कार्ड बदलने और पिन चोरी कर बैंक खातों से रुपए निकालने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड जिले के रहने वाले हैं।

पुलिस के अनुसार, परिवारिया ने शिकायत दी थी राजनगर स्थित पीनून्वी बैंक के एटीएम से रुपए निकाले इसी

दौरान तीन अज्ञात व्यक्तित्वों से एक ने उन्हें यह कहकर वापस एटीएम बूथ में बुलाया कि उनका अंतिम ट्रांजैक्शन बंद नहीं हुआ है। आरोपी ने परिवारियों

को अपनी बातों में उलझाकर उनका एटीएम पिन देख लिया। इसके बाद मदद करने के बहाने उनका असली एटीएम कार्ड चालाकी से बदलकर उसी जैसा

दिखने वाला दूसरा कार्ड दे दिया। कुछ समय बाद परिवारियों के बैंक खाते से करीब 78 हजार रुपए निकलने का संदेश प्राप्त हुआ। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने एटीएम कार्ड और पिन का इस्तेमाल कर खाते से रकम निकाल

ली थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राजसमंद हेमंत कलाल के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र पारिक एवं वृत्ताधिकारी राजसमंद नेत्रपाल सिंह के निर्देशन में

सिद्धार्थ मेहता। वही कांग्रेस की ओर से विधायक व जिलाध्यक्ष गणेश घोषरा, पूर्व सांसद ताराचंद भोगरा, पूर्व राज्यमंत्री अस्मर अहमद, डॉशंकर यादव, संतान महामंत्री नारायण पंड्या, भरत नागदा, मरसुक मलिक प्रचार अभियान में लगे हुए हैं।

बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर

सागवाड़ा, (निर्स)। नगर पालिका चुनाव को लेकर सागवाड़ा की सियासत में अब चुनावी रंग और गहरा गया है। भाजपा ने चुनावी तैयारियों को धार देते हुए संगठन को वार्ड स्तर तक सक्रिय कर दिया है। इसी कड़ी में ङ्गरपुर को स्वच्छता के क्षेत्र में अलग पहचान दिलाने वाले पूर्व सभापतिकेके गुप्ता ने सागवाड़ा के चुनावी मैदान में भूमिका संभाल ली है। गुप्ता की एंटी को भाजपा की चुनावी रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

विधायक कार्यालय में भाजपा प्रत्याशियों, वार्ड संयोजकों एवं प्रभारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में चुनाव को लेकर वार्डवार रणनीति, संगठन की सक्रियता और मतदाताओं से सतत संपर्क बनाए रखने पर मंथन किया गया। बैठक में विधायक शंकरलाल डेठा, जिला संगठन प्रभारी वीरेंद्र सिंह चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक पटेल रणोली, पूर्व सभापति केके गुप्ता, चुनाव प्रभारी एवं पूर्व विधायक गोपीचंद मीणा, चुनाव संयोजक हेमंत दादा पाठक सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए जिला संगठन प्रभारी वीरेंद्र सिंह चौहान ने वार्ड संयोजकों और प्रभारियों को चुनाव तक पूरी सक्रियता के साथ मैदान में रहने के निर्देश दिए। उन्होंने केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। साथ ही मतदाताओं को भाजपा के पक्ष

राधा कृष्ण लीलाओं ने मन मोहा

ङ्गरपुर। जन्माष्टमी की पूर्व संंध्या पर शहर के जोधपुर रेस्टोरेंट एंड बैकरी में श्री सहस्त्रबाहु ब्रूमैनिटी फाउंडेशन की ओर से राधा कृष्ण बाल स्वरूप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 3 से 12 वर्ष आयु वर्ग के कुल 45 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नन्हे बाल गोपाल और राधा के मनमोहक स्वरूपों एवं कृष्ण लीलाओं ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सहस्त्रबाहु ब्रूमैनिटी फाउंडेशन के संस्थापक एवं निर्देशक नितिन कलाल ने की। संस्थान के संस्थापक नितिन कलाल ने संबोधित करते हुए बताया कि श्री सहस्त्रबाहु ब्रूमैनिटी फाउंडेशन पिछले कुछ महीनों से लगातार ङ्गरपुर में विभिन्न सामाजिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि संस्थान की ओर से इसी माह से ङ्गरपुर के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सीओआर तकनीक सिखाने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन भी किया।

मतदान दिवस पर स्थानीय अवकाश घोषित

उदयपुर, (निर्स)। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत उदयपुर जिले में मतदान दिवसों पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) गौरव अग्रवाल द्वारा आदेशानुसार 9 सितंबर को नगर पालिका भीण्डर, वल्लभनगर, फतहनगर-सनवाड़ के निर्वाचन क्षेत्रों में अवकाश रहेगा। 11 सितंबर को उदयपुर तथा नगर पालिका कानोड़ व मावली के निर्वाचन क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की गई है। मतदान दिवस पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में स्थित समस्त सरकारी कार्यालयों में अवकाश रहेगा।

निजी व सार्वजनिक प्रतिष्ठानों, दुकानों, औद्योगिक उपक्रमों व अन्य संस्थानों में कार्यरत संबंधित मतदाताओं को मतदान के लिए सवैतनिक अवकाश होगा

राजनगर थाना प्रभारी आंकार सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम

ने तकनीकी एवं सूचना आधारित जांच करते हुए गिरोह के दो आरोपियों को चिन्हित कर गिरफ्तार किया।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि गिरोह के सदस्य दिल्ली-एनसीआर, नोएडा, गुरुग्राम सहित देश के विभिन्न शहरों का छोटे शहरों एवं कस्बों में स्थित एटीएम बूथों की रेकी करते थे। वे एटीएम से रुपए निकालने आने वाले भोले-भाले लोगों, विशेषकर बुजुर्ग महिला-पुरुषों की गिराना बनाते थे।आरोपी मदद करने के बहाने लोगों को बातचीत में उलझाकर उनका एटीएम पिन देख लेते थे।

से उसके रावला पनवा घर लेकर आये एवं घर के आगे मुख्य सड़क पर सभी ने उससे गाली-गलौच करते हुए एलातो-

मुक्कों से मारपीट की जिससे उसके शरीर पर चोटें कारित हुईं। पीड़िता ने बताया कि मारपीट के बाद उसके पति गोपाल व गैरू ने जबनर उसके सिर के

बाल काट दिये। इसके बाद किसी ने पुलिस थाने में फोन किया और पुलिस



बैठक में पूर्व सभापति केके गुप्ता की सक्रिय मौजूदगी ने चुनावी चर्चा को खासा गरमा दिया।

में सकारात्मक भूमिका निभाने और राष्ट्र निर्माण में सहयोग का संदेश देने पर जोर दिया।

बैठक में पूर्व सभापति केके गुप्ता की सक्रिय मौजूदगी ने चुनावी चर्चा को खासा गरमा दिया। ङ्गरपुर में स्वच्छता अभियान को लेकर अपनी पहचान बनाने वाले गुप्ता ने सागवाड़ा को भी स्वच्छता और विकास का मॉडल बनाने की बात कही। गुप्ता ने कहा कि विधायक शंकरलाल डेठा के नेतृत्व में सागवाड़ा में स्वच्छता और विकास को नई दिशा दी जाएगी। उन्होंने

कार्यकर्ताओं और प्रत्याशियों से चुनाव को केवल राजनीतिक मुकाबला नहीं मानकर शहर के विकास और बेहतर व्यवस्था के संकल्प के रूप में लेने की अपील की।

बैठक में वार्ड संयोजकों और प्रभारियों को जिम्मेदारियों सौंपते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया गया। पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय बनाकर काम करने और प्रत्येक मतदाता से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित करने की बात कही। बैठक में वरिष्ठ

नेता नानालाल दर्जी, पूर्व उप प्रधान नरेंद्र पंड्या, नगर मंडल अध्यक्ष यशवंत गवारिया, निवर्तमान प्रधान ईश्वरलाल सरपोटा, प्रदीप गामोट, राजेश पाटीदार, रमेश कलाल, हिम्मतराम कटार्रा, एसटी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष कालीलाल डामोर, चंद्रेश व्यास, मयूरराज सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष तांरगे पाटीदार ने किया, जबकि आभार नगर मंडल अध्यक्ष यशवंत गवारिया ने जताया।

उदयपुर नगर निगम सहित 5 नगरपालिकाओं में 1०8 प्रत्याशियों ने नाम वापस लिए

■ नगर निगम उदयपुर में 52 प्रत्याशियों ने चुनाव मैदान छोड़ा

प्रत्याशी हैं। भीण्डर में 65 वैध नामांकनों में से 7 ने नाम निर्देशन पत्र वापस लिए। वहां अब 25 वार्डों के लिए 58 प्रत्याशी मावली में 71 में से 12 उम्मीदवारों ने नाम वापस लेने से 20 वार्डों में 59प्रत्याशी, फतहनगर सनवाड़ में 88 में से 23 के नाम वापस लेने से 25 वार्डों में 65 तथा वल्लभनगर में 76 में से 9 की नाम वापसी के बाद अब 20 वार्डों के लिए 67 प्रत्याशी शेष हैं।

उल्लेखनीय है कि राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार 27 अगस्त से नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हुई। नाम निर्देशन पत्र जमा कराने

की अंतिम तिथि 31 अगस्त तय थी। तब तक उदयपुर नगर निगम सहित जिले की सभी निकायों में कुल 845 प्रत्याशियों ने 931 पत्रें दाखिल किए थे। इनमें नगर निगम उदयपुर में 333 प्रत्याशियों ने 379 नामांकन, भीण्डर में 88 उम्मीदवारों ने95ए वल्लभनगर में 117 प्रत्याशियों ने 126 मावली में 102 उम्मीदवारों ने 108 फतहनगर सनवाड़ में 128 प्रत्याशियों की ओर से 146 तथा कानोड़ में 77 प्रत्याशियों ने 77 नाम निर्देशन पत्र जमा कराए थे। नामांकन पत्रों की संवीक्षा के दौरान जिले में कुल 266 नामांकन पत्र निरस्त हुए थे। इसमें उदयपुर नगर निगम में सबसे ज्यादा74,फतहनगर सनवाड़ में 58,वल्लभनगर में 50, मावली में 36,भींडर में 28 तथा कानोड़ में 20 नामांकन पत्र निरस्त हुए।

डॉ. जितेंद्र ने रूट कैनाल ट्रीटमेंट पर पत्र वाचन किया

उदयपुर,(कासं)। पेंसिफिक डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर,भीलों का बेदला के कंजरवेिवेट डेंटिस्ट्री एवं एंडोडॉन्टिक्स प्रत्यक्ष एवं प्रोफेसर डॉ.जितेंद्र लोहार ने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित प्रतिष्ठित इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में विश्वस्तरीय सम्मेलन वर्ल्ड एंडोडॉन्टिक कांग्रेस 2026 में रूट कैनाल ट्रीटमेंट में लेजर व अल्ट्रासोनिक तकनीक के असर पर पत्र वाचन किया।

सिडनी में 27 से 30 अगस्त तक आयोजित वर्ल्ड एंडोडॉन्टिक कांग्रेस 2026 में विश्वभर से एंडोडॉन्टिक्स, दंत चिकित्सा अनुसंधान, अकादमिक जगत और आधुनिक क्लिनिकल प्रैक्टिस से जुड़े जाने-माने विशेषज्ञ,

वैज्ञानिक और शोधकर्ता ने भाग लिया। डॉ.जितेंद्र लोहार ने अपने शोध के माध्यम से बताया कि जब रूट कैनाल को साफ करने वाले सोडियम हाइपोक्लोराइट घोला को अल्ट्रासोनिक तरंगों और आधुनिक डायोड लेजर से एक्टिवेट किया जाता है, तो यह बैक्टीरिया को जड़ से खत्म करने में कई गुना अधिक असरदार साबित होता है। इस शोध से प्रविध्य में रूट कैनाल मरीजों को अधिक सुस्थित, सटीक और दोबारा संक्रमण-मुक्त उपचार मिलने का रास्ता साफ होगा। डॉ.लोहार ने कहा कि वर्ल्ड एंडोडॉन्टिक कांग्रेस जैसे प्रतिष्ठित मंच पर शोध को साझा करना और विश्व के शीर्ष दंत विशेषज्ञों से वैज्ञानिक संवाद करना अत्यंत प्रेरणादायक अनुभव रहा।

सार-समाचार

उदयपुर में 39 वार्ड में सीधे भाजपा-कांग्रेस की टक्कर

उदयपुर,(कासं)। नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत उदयपुर नगर निगम के 80 वार्डों में नाम वापसी के बाद अब 220 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। 39 वार्डों में सीधे भाजपा-कांग्रेस की टक्कर है। 41 वार्ड में भाजपा-कांग्रेस के अलावा बीएपी, मॉकपा और निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में हैं। वहीं गुरुवार को 52 प्रत्याशियों ने अपने नाम वापस लिया था। इसके बाद भी भाजपा कांग्रेस के 13 बागी उम्मीदवार चुनावी मैदान में डटे हुए हैं।जिनमें से कांग्रेस के 12 और भाजपा की एक प्रत्याशी है।दोनों पार्टियों के अलावा माकपा के 3, भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) के 9, बसपा के 3 और आम आदमी पार्टी के 1 और 43 निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल ने बताया कि उदयपुर नगर निगम में नामांकन प्रक्रिया के दौरान कुल 3३3 प्रत्याशियों ने 379 नामांकन पत्र दाखिल किए थे। संवीक्षा के दौरान इनमें से 74 नामांकन पत्र निरस्त कर दिए गए थे। इसके बाद 272 वैध नामांकन बचे थे। अब 52 नाम वापसी के बाद 220 प्रत्याशी मैदान में हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल ने बताया कि उदयपुर नगर निगम में नामांकन प्रक्रिया के दौरान कुल 3३3 प्रत्याशियों ने 379 नामांकन पत्र दाखिल किए थे। संवीक्षा के दौरान इनमें से 74 नामांकन पत्र निरस्त कर दिए थे। इसके बाद 272 वैध नामांकन बचे थे।

‘नंद के आनंद भयो’, मटकी फोड़ ने बांधा समां

उदयपुर,(कासं)। नारायण सेवा संस्थान के माली कॉलोनी स्थित वर्ड ऑफ ह्यूमैनिटी में शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। राधा-कृष्ण की झांकियां, बाल लीलाओं की प्रस्तुतियां, भजन और मटकी फोड़ ने पूरे परिसर को गोकुल-वृंदावन की छटा से भर दिया। संस्थान के अध्यक्ष प्रकांत अग्रवाल ने बताया कि आयोजन में संस्थापक केशलश 'मानव', सह-संस्थापिका कमला देवी, निदेशक वंदना अग्रवाल, पलक अग्रवाल, महर्षि अग्रवाल सहित दूस्टीगण, साधक-साधिकाएं, सेवाभावी कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी मौजूद रहे।संध्या बेला में श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित झांकियां प्रस्तुत की गईं। श्रीनाथजी, नरसिंह अवतार, राधा-कृष्ण और कालिया नाग मर्दन की झांकियां विशेष आकर्षण रहीं। कालिया नाग मर्दन में इलेक्ट्रॉनिक प्रभावों से जल की लहरों और वर्षा का दृश्य जीवंत किया गया। नारायण चिट्ठन प्लेडमी के बच्चों ने राधा-कृष्ण का रूप धरकर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। पालने में विराजमान लड्डू गोपाल की झांकी पर श्रद्धालुओं ने बाल गोपाल को झुला झुलाकर जमोत्सव की खुशियां मनाईं। संस्थान की संगीत टीम ने राधा-कृष्ण, बरसाना और वृंदावन से जुड़े भजनों की प्रस्तुतियां दीं। भजनों पर श्रद्धालु झुम उठे और परिसर कृष्णभक्ति में डूब गया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण मटकी फोड़ रहा। बच्चों ने करीब तीन बार पिरामिड बनाकर मटकी फोड़ी। मटकी फूटते ही जयकारों से परिसर गुंज उठा।

क्रिटिकल मतदान केंद्रों का निरीक्षण

राजसमंद। नगरीय निकाय चुनाव-2०२6 के महेनजर नगर परिषद राजसमंद क्षेत्र के क्रिटिकल मतदान केंद्रों का शुक्रवार को एसडीएम राजसमंद ओम प्रभा के नेतृत्व में संयुक्त मौका निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपाधीक्षक राजसमंद नेत्रपाल सिंह एवं तहसीलदार पुणेन्द्र सिंह की कतिवात उपस्थित रहे।अधिकारियों ने क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए मतदान प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान मतदान केंद्रों तक पहुंचए परिसर की स्थिति, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था सहित सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण बिंदुओं का अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित मतदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की।संयुक्त निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों को मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर सुरक्षा की दृष्टि से विशेष सतर्कता बरतने तथा मतदान दिवस पर कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने मतदान केंद्रों पर निश्चित प्रावधानों के अनुरूप व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने पर भी जोर दिया।एसडीएम ओम प्रभा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रहे तथा निर्वासन प्रक्रिया के दौरान सभी व्यवस्थाएं प्रभावी रूप से सुग्रीह करे। जहां पुलिस उपाधीक्षक नेत्रपाल सिंह ने भी सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राजकॉप सिटीजन मोबाइल एप पर ई-विजिटर सुविधा का शुभारंभ

बांसवाड़ा, (निर्स)। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान पुलिस ने पुलिसिंग को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनसुविधाजनक बनाने के लिए किए जा रहे तकनीकी नवाचारों की कड़ी में स्टेट क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो द्वारा राजकॉप सिटीजन मोबाइल एप पर ई-विजिटर सुविधा शुरू की गई है। इस सुविधा के माध्यम से अब होटल, धर्मशाला एवं अन्य आवासीय प्रतिष्ठानों में ठहरने वाले आगंतुकों का विवरण मोबाइल फोन से ही आसानी से दर्ज किया जा सकेगा। गृह विभागा के परिपत्र की पालना में होटल, धर्मशाला एवं अन्य ऐसे आवासीय प्रतिष्ठानों, जिनका व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है, में ठहरने वाले आगंतुकों का विवरण ई-विजिटर पोर्टल के माध्यम से दर्ज किया जाता था। विशेष रूप से छोटे होटल एवं धर्मशालाओं में कंप्यूटर और अन्य संसाधनों की सीमित उपलब्धता के कारण ऑनलाइन विवरण दर्ज करने में आने वाली कठिनाइयों को देखते हुए अब यह सुविधा मोबाइल आधारित कर दी गई है।

सत्यमेव जयते
 राजस्थान राज-पत्र साप्ताहिक साप्ताहिक प्रकाशित
सित्त 78 जून् 7, गुवागार, शक्रे 1948 रूई 28, 2026 अंक 9
भाग 7: विभिन्न विभागों में प्रत्यायों के लिए रेड्कट मानने की सूचनाओं का सम्मिलित किए गए सार्वजनिक और निजी विभागों के नाम। नाम/अवधान/सत्यमेव जयते/परिर्वर्तन करने का बचप-पत्र (नियम 8 राजस्थान सेवा नियम, वित्त विभाग के अधेश सं. एफ।1/12) एफ.जीई।187, विनोदक 10.04.57 की अनुपपानन।
इस बचप-पत्र द्वारा में निम्न हस्ताक्षरकों माया तिवाडी (नया नाम) को अभी इससे पूर्व माया कुमारी तिवाडी (पुराना नाम) कहलानी थी एवं जो अलघाधिक लेखन-2 (सर्वोच्च राज्य कर्मचारी द्वारा उच्च पदस्थ पालित किये गये एवं का नाम) के रूप में रा.उ.प्रा.वि. अनुपपुत्र (स्थान जहाँ से राज्य सरकार के विभाग में नियुक्त होे) पर नियुक्त होी। पदावधायन-1. स्वयं तथा मेरे पति एवं कस्बे तथा घर के बच्चे जो पुरतिया आशित हो मेरे पूर्व नाम माया कुमारी तिवाडी उपनाम कुमारी (हिन्दी) को प्यारनी हूँ तथा उसके स्थान पर उसी मालिश से नाम माया तिवाडी तथा उपनाम तिवाडी शरण कलती हूँ एवं इस्लाम में, मेरे पति, कस्बे घर के बच्चे एवम् द्वारा मेरे पूर्व उपनाम कुमारी (किसन) से न जाने जगत् धरा एवम्न जाय बाँक के मेरे द्वारा शरण किये गये उपनाम तिवाडी द्वारा जाने जगत्-2. उक्त मेरे निवद्य की माध्य के प्रयोजन के लिए घोषणा करती हूँ कि मैं एतन्नाइत सभी समय, निजी या सार्वजनिक सभी अभिप्रेतों, बंध-पत्रों प्रस्तावों एवं समस्त कार्यावधियों, व्यवहारों एवं लेख-लेखों में तथा सभी अवसरों पर अपने पूर्व नाम माया कुमारी तिवाडी तथा उपनाम कुमारी (हिन्दी) के स्थान पर एवं उसके परिवर्तन में माया तिवाडी नाम के रूप में तथा तिवाडी उपनाम के रूप में पुराना कलती एवं हस्ताक्षर करती। 3. स्वयन्त: एतन्ना पत्राव तथा सभी कलती, सभी व्यक्तियों को कुत्रे, पति, मेरे बच्चे घर के बच्चों की अवसर मेरे रहे वाया कलती उपनाम तिवाडी के नाम से सम्बन्धित करने के लिए प्रप्रिणत कलती हूँ तथा उसके लिए निवेदन करती हूँ। इसके साथी में, मेरे अपने पूर्व नाम एवं नये नाम माया कुमारी तिवाडी तथा माया तिवाडी का कानन किये हूँ तथा दिनांक: 16.04.2026 को हस्ताक्षर किये हैं। हस्ताक्षरति निम्नलिखित की उपस्थिति में उपर्युक्त नाम माया तिवाडी द्वारा जो पूर्व में माया कुमारी तिवाडी कहलानी थी हस्ताक्षर किये हूँ।
साक्षी:-1. नाना लाल मास्की 2. राहुल खड्कित
माया तिवाडी (नया नाम: माया तिवाडी)
प्रतिहस्ताक्षर: यशवंत कुमार जोशी मुख्य कलत्र सिग्ना अधिकारी रेलमनगर (राजसमंद) 5968 राज्य केन्द्रीय मुखुरालय, जयपुर।

 कार्यालय ग्राम पंचायत टोगी, पंचायत समिति भीम, जिला राजसमंद
क्रमांक: निविदा/ग्रा.पं.टो./2०26-27/०6 दिनांक:- ०3.09.2०26
ई-निविदा सूचना संख्या 03/2०26-27
ग्राम पंचायत टोगी में वित्तीय वर्ष 2026-27 में विभिन्न योजनाओं में स्वीकृत कार्यो/संकर्म हेतु ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत प्रतिष्ठानों/संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में आनलाईन निविदाये आमन्त्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण sppp.rajabasthan.gov.in सेupload/download कीव देखी जा सकती है।
NIB NO- ZRR2627A0482
UBN NO- ZRR2627WSOBO1032-1035
प्रशासक
ग्राम पंचायत टोगी, पं.स.भीम (जि.राजसमन्द)
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत टोगी, पं.स.भीम (जि.राजसमन्द)

अंत्योदय कार्डों में फर्जीवाड़े पर झुंझुनूं कलैक्टर सरख्त, 122 कार्ड जांच के घरे में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अंत्योदय अन्न योजना का लाभ लेने के लिए राशन कार्डों की श्रेणी बदलने में कथित अनियमितता का मामला सामने आया

झुंझुनूं, (निसं)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) का लाभ लेने के लिए राशन कार्डों की श्रेणी बदलने में कथित अनियमितता का बड़ा मामला सामने आया है। जिले में 122 राशन कार्डों को प्राथमिकता परिवार (पीएचएच) श्रेणी से अंत्योदय (एएवाई) श्रेणी में नियम विरूद्ध तरीके से परिवर्तित किए जाने की प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई है। कई मामलों में अंत्योदय श्रेणी के लिए पात्रता संबंधी वैध दस्तावेज आवेदन के साथ संलग्न नहीं मिले। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने संबंधित राशन कार्डों और ई-मित्र आईडी की जांच के आदेश दिए हैं।

जांच में सामने आया कि कई परिवारों ने ई-मित्र के माध्यम से अंत्योदय श्रेणी में चयन के लिए आवेदन किया, लेकिन पात्रता साबित करने वाले जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए। कुछ आवेदन अपूर्ण पाए गए तो कुछ राशन कार्डों में अन्य संशोधनों के साथ श्रेणी परिवर्तन भी

- 122 प्रकरणों में सबसे ज्यादा 50 मामले विकास अधिकारी, उदयपुरवाटी क्षेत्र के सामने आए हैं. नगर पालिका नवलगढ़ में 30 और विकास अधिकारी, नवलगढ़ क्षेत्र में 22 प्रकरण हैं**
- मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने संबंधित राशन कार्डों और ई-मित्र आईडी की जांच के आदेश दिए**

किया गया। अब प्रशासन ने पूरे मामले में आवेदन से लेकर अनुमोदन तक की प्रक्रिया की जांच शुरू कर दी है।

जिला रसद अधिकारी संदीप गौड़ ने बताया कि संबंधित 122 राशन कार्डधारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस प्राप्त होने के सात दिन के भीतर जिला रसद कार्यालय में उपस्थित होकर वैध दस्तावेजों सहित स्पष्टीकरण देना होगा। निधारित समय में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने अथवा पात्रता साबित नहीं होने की स्थिति में गेहूं की राशि 3०.57 रूपए प्रति किलो की दर से वसूल की जाएगी।

मामले में ई-मित्र संचालकों की

भूमिका भी जांची जाएगी। संबंधित ई-मित्र आईडी की सूची सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है। प्रशासन ने ई-मित्र संचालकों को निर्देश दिए हैं कि अंत्योदय श्रेणी के आवेदन केवल वैध दस्तावेजों के आधार पर ही किए जाएं। लापरवाही या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर संबंधित ई-मित्र संचालक के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

प्रारंभिक जांच में यह बात भी सामने आई है कि कुछ मामलों में नगर निकाय एवं पंचायत समिति के कार्मिकों ने राशन कार्डों का अनुमोदन

करते समय अंत्योदय श्रेणी के लिए जरूरी दस्तावेजों की परीक्षा जांच नहीं की। ऐसे में श्रेणी परिवर्तन का अनुमोदन करने वाले संबंधित कार्मिक भी जांच के दायरे में रहेंगे। जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग के निर्देश पर संबंधित विकास अधिकारियों और नगर निकाय अधिकारियों को प्रकरणों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। जांच में आवेदन पत्र, संलग्न दस्तावेज, श्रेणी परिवर्तन की प्रक्रिया और अनुमोदन से जुड़े रिकॉर्ड की पड़ताल की जाएगी।

3.5 किलो गेहूं के लिए बदली श्रेणी? **:-** राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत पीएचएच श्रेणी के परिवारों को प्रति सदस्य प्रतिमाह 5 किलो गेहूं, जबकि अंत्योदय परिवार को प्रति राशन कार्ड 35 किलो गेहूं दिया जाता है। ऐसे में दोनों श्रेणियों के बीच मिलने वाले गेहूं की मात्रा में बड़ा अंतर है। जिले में संबंधित राशन कार्डों की श्रेणी में बदलाव फरवरी-मार्च 2०25 के दौरान किए गए थे। प्रशासन अब यह जांच कर रहा है कि श्रेणी परिवर्तन

अजमेर कांग्रेस में ऑनलाइन टिकट वितरण को लेकर उठ रहे हैं विवाद

वाई 67 के टिकट ने खोली अजमेर कांग्रेस की अंदरूनी सियासत की परतें

अजमेर, (कासं)। नगर निगम चुनाव 2०26 में नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनावी तस्वीर साफ हो चुकी है, लेकिन कांग्रेस में टिकट वितरण को लेकर उठे विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। खासकर वाई 67 में टिकट वितरण को लेकर पार्टी के भीतर ही सवाल उठाए जा रहे हैं। टिकट के लिए आवेदन करने वाले कई दावेदारों को दरकिनार कर गोविंदराम जादम को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद कांग्रेस के अंदरूनी समीकरणों और टिकट वितरण की प्रक्रिया को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व की ओर से टिकट के लिए ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था लागू की गई थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की ओर से यह स्पष्ट किया गया था कि ऑनलाइन आवेदन नहीं करने वाले दावेदारों को टिकट नहीं दिया जाएगा। ऐसे में वाई 67 में टिकट वितरण को लेकर पार्टी के ही नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच यह सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है कि यदि किसी दावेदार ने ऑनलाइन

- टिकट के लिए आवेदन करने वाले कई दावेदारों को दरकिनार कर गोविंदराम जादम को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद टिकट वितरण की प्रक्रिया को लेकर चर्चाओं का दौर तेज**
- टिकट वितरण को लेकर आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ की भूमिका भी कांग्रेस के भीतर चर्चा का विषय बनी हुई है**

आवेदन नहीं किया था तो उसे टिकट किस आधार पर मिला।

आवेदन करने वाले दावेदार रह गए पीछे **:-**वाई 67 से शंकर गुरु के

पुत्र ओम शर्मा, अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के महासचिव खुशवंत रोहिल्ला तथा वरिष्ठ कांग्रेसी कार्यकर्ता अशोक मेहरा सहित कई लोगों ने टिकट के लिए दावेदारी जताई थी। इसके बावजूद गोविंदराम जादम को पार्टी प्रत्याशी बनाए जाने से टिकट के इच्छुक दावेदारों में असंतोष की चर्चा है। पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं का आरोप है कि टिकट वितरण में स्थानीय संगठन और लंबे

समय से पार्टी के लिए काम कर रहे कार्यकर्ताओं की दावेदारी की अपेक्षा अन्य राजनीतिक समीकरणों को अधिक महत्व दिया गया। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

टिकट वितरण को लेकर आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ की भूमिका भी कांग्रेस के भीतर चर्चा का विषय बनी हुई है। पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं का दावा है कि अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में टिकट वितरण के माध्यम से राठौड़ अपने राजनीतिक प्रभाव का आधार मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

समर्थकों को टिकट मिलने से

बढ़ी नजदीकी, असंतुष्टों में नाराजगी **:-**कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं के बीच यह भी चर्चा है कि जिन नेताओं और कार्यकर्ताओं को टिकट मिला है, वे अपने चुनाव कार्यालयों के उद्घाटन और जनसंपर्क कार्यक्रमों में धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ को प्रमुखता दे रहे हैं। वहीं टिकट से वंचित रहे कुछ दावेदार और उनके समर्थक खुले तौर पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। टिकट

वितरण के विरोध में कुछ स्थानों पर राठौड़ के विरोध में प्रदर्शन और पुतले जलाए गये थे, इससे साफ है कि नगर निगम चुनाव के बीच कांग्रेस के भीतर टिकट को लेकर असंतोष सहह पर आ गया है। कार्यकर्ताओं का एक वर्ग यह भी मानता है कि चुनाव परिणाम चाहे जो रहे, टिकट वितरण की पूरी प्रक्रिया का राजनीतिक श्रेय और जिम्मेदारी शहर कांग्रेस नेतृत्व पर भी आएगी। यदि कांग्रेस नगर निगम में बोट बंटने में सफल रहती है तो संगठन के दो नज्दों को इसका श्रेय मिलेगा, जबकि असफलता की स्थिति में टिकट वितरण को लेकर उठे सवाल और अधिक तेज होने की संभावना है।

रूपनगढ़ में 32 हजार किलो से अधिक खाद्य स्टॉक जब्त

रूपनगढ़, (कासं)। रूपनगढ़ स्थित सीजी फूड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की इकाई में खाद्य सुरक्षा मानकों के कथित उल्लंघन का मामला सामने आया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की टीम ने निरीक्षण के दौरान करीब 32,1०7 किलोग्राम खाद्य स्टॉक जब्त किया है। अधिकारियों ने मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच के दौरान अधिकारियों को यूनिट में फर्श पर गिरे और टूटे हुए नूडल्स को दोबारा इस्तेमाल कर भुजिया उत्पाद तैयार किए जाने की जानकारी मिली। जांच में निधारित हीट ट्रीटमेंट प्रक्रिया को लेकर भी अनियमितता सामने आने की बात कही गई है। इसके अलावा कुछ उत्पादों पर पुरानी पैकेजिंग तारीखों के इस्तेमाल का मामला भी जांच में सामने आया।

जांच के दौरान ‘वाई-वाई मा मा’ और ‘वाई-वाई मामा पुंटे’ नाम से भुजिया उत्पादों का कथित रूप से

- फर्श पर गिरे और टूटे नूडल्स के दोबारा इस्तेमाल सहित कई अनियमितताएं सामने आईं, बिना लाइसेंस उत्पादन का भी मामला**
- कुछ उत्पादों पर पुरानी पैकेजिंग तारीखों के इस्तेमाल का मामला भी जांच में सामने आया**

आवश्यक लाइसेंस के बिना उत्पादन किए जाने की जानकारी मिली। एफएसएसएआई ने कंपनी को आवश्यक मंजूरी के बिना वेज भुजिया नमकीन का उत्पादन तत्काल बंद करने के निदेश दिए हैं।

निरीक्षण के दौरान युनिट की सफाई व्यवस्था में भी कई कमियां पाए जाने की बात सामने आई। इसके साथ ही आवश्यक दस्तावेजों में खामियां और पर्याप्त पेस्ट-कंट्रोल रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने की जानकारी भी जांच टीम ने दर्ज की। एफएसएसएआई की टीम ने प्रयोगशाला जांच के लिए नूडल्स, वेज

भुजिया, इस्तेमाल किए गए कुकिंग ऑयल तथा ‘वाई-वाई रेडी टू ईट नूडल्स’ के नमूने लिए हैं। इसके अलावा करीब 1,925 बॉक्स तैयार उत्पादों की भी रोक दिया गया है, जिन्हें एक्सपायर्ड बताया गया है।

एफएसएसएआई ने कंपनी एवं संबंधित खाद्य कारोबार संचालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार आगे की कार्रवाई प्रयोगशाला जांच की रिपोर्ट और निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों के आधार पर की जाएगी। फिलहाल जब्त खाद्य स्टॉक और लिए गए नमूनों की जांच प्रक्रिया जारी है।

भुजिया, इस्तेमाल किए गए कुकिंग ऑयल तथा ‘वाई-वाई रेडी टू ईट नूडल्स’ के नमूने लिए हैं। इसके अलावा करीब 1,925 बॉक्स तैयार उत्पादों की भी रोक दिया गया है, जिन्हें एक्सपायर्ड बताया गया है।

एफएसएसएआई ने कंपनी एवं संबंधित खाद्य कारोबार संचालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार आगे की कार्रवाई प्रयोगशाला जांच की रिपोर्ट और निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों के आधार पर की जाएगी। फिलहाल जब्त खाद्य स्टॉक और लिए गए नमूनों की जांच प्रक्रिया जारी है।

मौसम विभाग के अनुसार 9 सितंबर तक बारिश का अलर्ट नहीं है। शहर में अगस्त महीने के शुरूआती कुछ दिनों के बाद से बारिश नहीं हुई है। महीनेभर से शहर सूखा है। तापमान में भी पिछले कुछ दिनों से बढ़ोतरी हुई है। शहर में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 34 और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आने वाले कुछ दिनों में बारिश नहीं होने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के अनुसार एक सितंबर तक जोधपुर में एक जून से सामान्य से 65 प्रतिशत कम बारिश हुई है। सामान्य बारिश 254.7 एमएम होनी चाहिए थी, जबकि इस बार केवल 189.2 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई, जो कि मानसून सीजन क सामान्य से 65.5 फीसदी कम है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों के लिए जोधपुर शहर में किसी भी तरह का कोई बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। हालांकि इस दौरान बादल छाए रहेंगे।

श्रीगंगानगर में मैदा बनाने वाली कंपनी से 54 लाख रुपए की धोखाधड़ी

- ग्यारह हजार क्विंटल मैदा खरीदकर भुगतान रोका, गुजरात-महाराष्ट्र के 7 करोड़पाई पर केस दर्ज**

राधे कृष्णा एंटरप्राइजेज, अहमदाबाद और एक ट्रक वीएम सोमया, राजकोट के नाम पर बुक किए गए। बाद में एक ऑर्डर पोयम एंटरप्राइजेज के नाम पर बदल दिया गया। विनोद बरोट ने राधे कृष्णा एंटरप्राइजेज, पोयम एंटरप्राइजेज, खुशी कॉर्पोरेशन, ज्यूप इंस्ट्रियल (नासिक), ग्वालियर एडिबस्कर, नील्रोग एग्री प्रोडक्ट्स, ड्रुग एग्री एंड फूड और रतनकांत एग्री

इंडस्ट्रीज समेत कई फर्मों के नाम बताए उसने कहा कि ये सभी फर्म एक ही बिजनेस ग्रुप की हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इन फर्मों को 2०25-26 में करीब 1.1 हजार क्विंटल मैदा सप्लाई किया गया।

उदयपुर में हिस्ट्रीशीटर और उसके गुर्गों ने दो घरों पर फायरिंग की

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के अंबामाता थाना क्षेत्र के मल्लातलाई इलाके में गुरुवार देर रात करीब एक बजे बाइक और स्कूटी पर चार बदमाशों ने दो गलियों में अलग-अलग घरों के बाहर फायरिंग की दो घटना को अंजाम दिया है। वारदात में हिस्ट्रीशीटर शामिल है, जिसने खुद गुर्गों के साथ मिलकर फायरिंग की, जिसके घर फायरिंग हुई उसका भी अपराधिक रिकॉर्ड है। क्षेत्र में वर्चस्व और खोफ कायम करने की बदमाशों की आपसी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया है।

शहर में लगातार पांच दिन में फायरिंग की चार वारदातों से न सिर्फ शहरवासियों में दहशत है, बल्कि इन वारदातों ने पुलिस की भी नींद उड़ायी हुई है। फायरिंग की इस वारदात के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे और बदमाशों की धरपकड़ की जा रही है। पुलिस ने फायरिंग करने वाले हिस्ट्रीशीटर सहित तीन आरोपियों को डिटेन कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती रात करीब एक बजे मल्लातलाई स्थित एक गली में हिस्ट्रीशीटर बाइक पर गुर्गे के साथ पहुंचा। हिस्ट्रीशीटर ने विरोधी अरबाज के घर पर कांच की बोतलें फेंकी और अवैध देशी कट्टे से फायरिंग

- जिसके घर फायरिंग हुई, उसका भी अपराधिक रिकॉर्ड बताया जा रहा है**
- पुलिस ने फायरिंग करने वाले हिस्ट्रीशीटर सहित तीन आरोपियों को डिटेन कर लिया**

की फरार हो गया। वहीं दूसरी गली में अरबाज के दोस्त मोहम्मद आरिफ के घर के बाहर स्कूटी पर हिस्ट्रीशीटर के दूसरे गुर्गे पहुंचे। इन दोनों ने आरिफ के घर पर कांच की बोतलें फेंकी और फायरिंग कर फरार हो गए। अरबाज जिसके घर फायरिंग हुई उसका भी अपराधिक रिकॉर्ड है। फायरिंग करने वाला हिस्ट्रीशीटर और जिसके घर फायरिंग हुई ये बदमाश क्षेत्र और विरोधी बदमाशों में खौफ कायम करने एक दूसरे को डराते धमकाते हैं, इसी उद्देश्य से यह फायरिंग की वारदात हुई। उदयपुर शहर में खोफ और वर्चस्व कायम करने बदमाशों में फायरिंग हो रही है। आशंका

रुदावल में आकाशीय बिजली गिरने से किशोर की मौत, दो घायल

- तीनों बारिश से बचने के लिए एक पेड़ के नीचे बैठे थे, इसी दौरान आकाशीय बिजली गिर गई**

अपने बड़े भाई सुनील गुर्जर (18) और करीब 6० वर्षीय केशर देवी के साथ गांव के जंगल में खेतों की ओर मवेशी चराने गए थे। इसी दौरान शुक्रवार दोपहर अचानक मौसम बदल गया। आसमान में घने बादल छा गए और तेज गर्जना के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए तीनों पास ही स्थित एक पेड़ के नीचे बैठ गए। कुछ देर बाद अचानक तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली पेड़ पर गिर गई। बिजली की चपेट में आने से नितेश गुर्जर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका बड़ा भाई सुनील और

केशरदेवी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलने पर आसपास मौजूद लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। दोनों घायलों को तत्काल बयाना अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने सुनील और केशरदेवी को भरतपुर रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर रुदावल थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने किशोर के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जहरीला चारा खाने से 10 पशु बीमार

रामगंजमंडी, (निसं)। क्षेत्र के रिछड़िया गांव में जहरीला चारा खाने से 1० पशु बीमार हो गए। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से सभी बीमार पशुओं को तत्काल राजकीय बृहदेशीय पशु चिकित्सालय रामगंजमंडी लाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, रिछड़िया निवासी नंदलाल गुर्जर के मवेशी बारिश के मौसम में खेत व आसपास उगी अवांछित झाड़ियों और चारे को खा रहे थे। चारा खाने के कुछ ही देर बाद पशुओं की तबीयत बिगड़ने लगी।

छबड़ा में देर रात से बारिश का दौर जारी, चुनाव प्रचार की रफ्तार थमी

छबड़ा, (निसं)। नगर पालिका चुनाव को लेकर शहर में चल रहे चुनाव प्रचार अभियान पर मौसम ने ब्रेक लगा दिया है। देर रात से लगातार हो रही बारिश के चलते शुक्रवार को चुनावी गतिविधियों की रफ्तार धीमी पड़ गई। बारिश के कारण प्रत्याशियों के जनसंपर्क और प्रचार कार्यक्रम प्रभावित हुए तथा कई स्थानों पर सड़कों और बाजारों में भी सामान्य दिनों की अपेक्षा आवाजाही कम नजर आई। नगर पालिका के 35 वार्डों में प्रत्याशी इन दिनों घर-घर संपर्क

कर मतदाताओं से समर्थन मांग रहे हैं। सुबह से ही प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की टोलियां विभिन्न वार्डों में जनसंपर्क के लिए निकलती हैं, लेकिन बारिश के चलते शुक्रवार को प्रचार अभियान प्रभावित रहा। लगातार बारिश के कारण प्रत्याशियों को अपने निर्धारित कार्यक्रमों में बदलाव करना पड़ा।

हालांकि मौसम खराब होने के बावजूद चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी और उनके समर्थक प्रचार को पूरी तरह रोकने के बजाय मौसम खुलने का इंतजार करते नजर आए। कई प्रत्याशियों ने बारिश थमने के बाद सीमित स्तर पर जनसंपर्क करने की रणनीति अपनाई। चुनावी मुकाबला नजदीक आने के साथ प्रत्याशी एक-एक मतदाता तक पहुंचने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

लगातार बारिश के कारण कच्चे रास्तों और गलियों में आवागमन प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में दूर-दराज के क्षेत्रों में जनसंपर्क करना प्रत्याशियों के लिए चुनौती बन गया है।

शुरूआत में सभी फर्मों की ओर से समय पर भुगतान होता रहा। इससे कंपनी का कारोबारियों पर भरोसा बढ़ गया और लगातार मैदा सप्लाई किया जाता रहा। फरवरी 2०26 से अचानक ऑर्डर बंद हो गए। उस समय कंपनी का करीब 65 लाख रुपए का भुगतान बकाया था। विलास मंगला ने जब भुगतान के लिए संपर्क किया तो विनोद बरोट ने उन्हें आश्वासन दिया। मई 2०26 में उन्हें विलास मंगला को अहमदाबाद बुलाया और वहां से मुंबई ले जाकर वाशी स्थित ऑफिस में मीटिंग करवाई। मीटिंग में विनोद बरोट, विवेक हरीशचंद्र जाधव, जुनैद खान, रामयज्ञ रामकरण मिश्रा, गौरीधर, केतन बरोट समेत अन्य लोग मौजूद थे। इस दौरान कंपनी को 11 लाख रुपए का भुगतान किया गया और बाकी रकम जल्द देने का आश्वासन दिया गया। इसके बाद कोई और भुगतान नहीं किया गया।

आरोप है कि इसके उलट इंडस्ट्रियल की ओर से करीब तीन महीने पुराना मैदा कंपनी की सहमति के बिना

‘‘नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की...’’

गोविंददेवजी मंदिर में अलमुबह 4 बजे से उमड़े श्रद्धालु, जयकारों से गूंजी छोटीकाशी



जन्माष्टमी पर जयपुर के आराध्यदेव गोविंददेवजी मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शनों के लिए अलसुबह से कतारें लगीं। चौड़ा रास्ता स्थित राधा-दामोदारजी मंदिर में दोपहर 12 बजे भगवान का प्राकट्योत्सव हुआ।

–कार्यालय संवाददाता–
जयपुर। “नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की...” के जयघोष से शुक्रवार को छोटी काशी जयपुर कृष्णमय हो उठी। रिमझिम बारिश के बीच सुबह से देर रात तक शहर के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतारें लगी रही। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक, श्रृंगार, भजन-कीर्तन, झांकियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। मध्यरात्रि में कान्हा के प्राकट्य के साथ मंदिरों में शंख-घड़ियाल, नगाड़ों और आतिशबाजी के बीच उल्लास छा गया।

गोविंददेवजी में तड़के 4 बजे से दर्शन

छोटी काशी के आराध्य ठाकुर श्री गोविंददेवजी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सात्रिध्य में जन्माष्टमी महापर्व मनाया गया। तड़के 4 बजे मंगला झांकी के पट खुले तो श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। रिमझिम बारिश के बावजूद लंबी कतारें लगी रहीं। मंगला झांकी से पहले ठाकुरजी का

- रात 12 बजे 31 तोपों की गर्जना के बीच हुआ भगवान श्रीकृष्ण का जन्म
- गोविंददेवजी मंदिर में 1100 स्वयंसेवकों और 1000 से अधिक पुलिसकर्मियों ने संभाली व्यवस्था

पंचामृत अभिषेक कर नवीन पीत वस्त्र धारण कराए गए और विशेष पुष्प श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर को ‘बधाई है’ और स्वास्तिक की पताकाओं से सजाया गया।

भारी भीड़ को देखते हुए जलेब चौक से प्रवेश और जय निवास बाग के पूर्वी व पश्चिमी गेट से निकासी की व्यवस्था रही। दर्शन पास, बिना जूते-चप्पल और जूते-चप्पल के साथ आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग कतारें बनाई गईं। परिसर में 13 एलईडी स्क्रीन लगाई गईं। हरि कीर्तन और प्रसाद स्टॉलों ने माहौल भक्तिमय बनाए रखा। सुरक्षा के लिए करीब 1100 स्वयंसेवक, 150 स्काउट और

1000 से अधिक पुलिसकर्मों तैनात रहे। मंदिर को 12 सेक्टर में बांटकर तीन पारियों में ड्यूटी लगाई गई। डीसीपी, एडीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारियों के साथ आरएसी कंपनियां व चुड़सवार पुलिस तैनात रही। मेटल डिटेक्टर, सीसीटीवी, एआई कैमरों और फेस रिकॉग्निशन सिस्टम से निगरानी की गई।

रात 10 से 11 बजे तक जन्माष्टमी व्रत कथा हुई। मध्यरात्रि 12 बजे श्रीकृष्ण जन्म के अवसर पर 31 तोपों की हवाई गर्जना और विशेष आतिशबाजी की गई। जन्म के बाद पंचामृत अभिषेक में 425 लीटर दूध, 365 किलो दही, 11 किलो घी, 85 किलो बूरा और 11 किलो शहद का उपयोग किया गया। पंजीरी, लड्डू, खिरसा और रबड़ी कुल्हड़ का भोग लगाया गया।

तीन मंदिरों में दोपहर 12 बजे प्राकट्योत्सव

जयपुर के अधिकांश मंदिरों में श्रीकृष्ण जन्म मध्यरात्रि में मनाया गया, वहीं रामगंज बाजार स्थित श्री लाडलीजी मंदिर, चौड़ा रास्ता स्थित राधा-दामोदरजी मंदिर और नाहरगढ़

पहाड़ी स्थित चरण मंदिर में दोपहर 12 बजे प्राकट्योत्सव हुआ। लाडलीजी मंदिर में ललित संप्रदायाचार्य संजय गोस्वामी के सात्रिध्य में दोपहर 12 से 3 बजे तक ठाकुर किशोरी रमण का जन्मोत्सव मनाया गया। अभिषेक, बधाई गायन, समाज उछाल और प्रसाद वितरण हुआ। राधा-दामोदरजी मंदिर में महंत मलय गोस्वामी के सात्रिध्य में करीब 40 मिनट तक पंचामृत से जन्माभिषेक हुआ। चरण मंदिर में भी दोपहर में अभिषेक किया गया।

आज निकलेगी गोविंददेवजी की शोभायात्रा

जन्माष्टमी के अगले दिन शनिवार को गोविंददेवजी की भव्य शोभायात्रा शाम 4.30 बजे श्री गोविंददेवजी मंदिर से रवाना होगी। यह जलेबी चौक, सिरहदयोद्धी बाजार, बांदरवाल गेट, बडी चौपड़, जौहरी बाजार, सांगनेरी गेट, बापू बाजार, न्यूगेट, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल

जयपुर जिले की 19 पंचायत समितियों में

प्रशासक नियुक्त

–कार्यालय संवाददाता–
जयपुर । जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जयपुर संदेश नायक ने राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 95 तथा धारा 101 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जयपुर जिले की 19 पंचायत समितियों में प्रशासक नियुक्त किए हैं। प्रशासकों की नियुक्ति संबंधित पंचायत समिति के नवनिर्वाचन के पश्चात् गठित पंचायत समिति की प्रथम बैठक की तिथि के ठीक पूर्ववर्ती दिन तक प्रभावी रहेगी। आदेश के अनुसार अमेर पंचायत समिति में उपखण्ड अधिकारी अमेर, आंधी एवं जगवामगढ़ में उपखण्ड अधिकारी जमवारामगढ़, बस्सी एवं तुंगा में उपखण्ड अधिकारी बस्सी, चाकसू एवं कोटखावदा में उपखण्ड अधिकारी चाकसू, ददू में उपखण्ड अधिकारी ददू, गोविंदगढ़ में उपखण्ड अधिकारी चोमू, जालसू में उपखण्ड अधिकारी रामपुरा डाबड़ी, झोटवाड़ा में उपखण्ड अधिकारी जयपुर, जोबनेर में उपखण्ड अधिकारी जोबनेर, किशनगढ़-रेनवाल में उपखण्ड अधिकारी किशनगढ़-रेनवाल, माधोरानपुरा में उपखण्ड अधिकारी माधोरानपुरा, मौजमाबाद में उपखण्ड अधिकारी मौजमाबाद, फागी में उपखण्ड अधिकारी फागी, सांभरलेक में उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक, सांगानेर में उपखण्ड अधिकारी सांगानेर, शाहपुरा में उपखण्ड अधिकारी शाहपुरा, को प्रशासक नियुक्त किया गया है। इन पंचायत समितियों में नियुक्त प्रशासक संबंधित पंचायत समिति के कार्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

‘कोई मेरा-तेरा नहीं, जिसे पार्टी का सिंबल मिला, वह सबका प्रत्याशी’

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने जयपुर के विधायकों से दो टूक बात कही

जयपुर। नगर निगम चुनाव को लेकर भाजपा ने जयपुर में संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को जयपुर शहर भाजपा कार्यालय में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने शहर के विधायकों, विधानसभा प्रत्याशियों और प्रमुख नेताओं के साथ बैठक कर चुनौती तैयारियों का फीडबैक लिया। दिनभर हुई बैठकों के अंतिम चरण में संतोष ने जयपुर नगर निगम क्षेत्र में आने वाली विधानसभा सीटों के राजनीतिक समीकरणां और वार्डवार स्थिति को लेकर नेताओं से जानकारी ली।

बैठक में बीएल संतोष ने टिकट वितरण के बाद सामने आ रही स्थानीय खींचतान के बीच विधायकों और विधानसभा प्रत्याशियों को स्पष्ट संदेश दिया कि कोई भी प्रत्याशी ‘मेरा-तेरा’ नहीं होता। पार्टी का सिंबल जिस प्रत्याशी को मिल गया, वह पूरे संगठन का प्रत्याशी है। ऐसे में सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत पसंद-

- बीएल संतोष ने जयपुर शहर के विधायकों, विधानसभा प्रत्याशियों और प्रमुख नेताओं से लिया फीडबैक, वार्डवार राजनीतिक समीकरणां पर किया मंथन

नापसंद से ऊपर उठकर पार्टी प्रत्याशी को जीताने के लिए काम करना होगा।

संतोष ने जयपुर नगर निगम चुनाव में पार्टी की स्थिति को लेकर विधानसभा क्षेत्रवार चर्चा की। उन्होंने नेताओं से संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में आने वाले वार्डों के राजनीतिक समीकरण, प्रत्याशियों की स्थिति, स्थानीय प्रभाव, संगठन की सक्रियता और चुनौती संभावनाओं की जानकारी ली। साथ ही जिन वार्डों में पार्टी को चुनौती नजर आ रही है, वहां संगठन की स्थिति और जीत के लिए किए जा रहे प्रयासों पर भी फीडबैक लिया।

बैठक में निगम चुनाव में विधानसभा स्तर पर समन्वय और सभी

नेताओं को एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरने पर जोर दिया गया।

संतोष ने संकेत दिया कि निगम चुनाव में संगठन की प्राथमिकता व्यक्तिगत गुटों के बजाय सामूहिक रूप से पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों को मजबूत करना है।

बैठक में जयपुर नगर निगम चुनाव के पर्यवेक्षक एवं प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, विधायक बालमुकुंदचार्य, राज्यसभा सांसद नरेश्याम तिवारी, सांसद मंजू शर्मा, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी सहित जयपुर शहर के अन्य प्रमुख नेता मौजूद रहे।

छात्रवृत्ति के लिए बायोमेट्रिक हाजिरी होगी

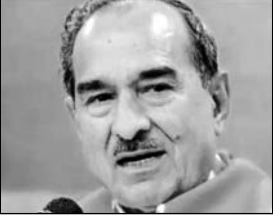
जयपुर । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति पोर्टल पर बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। सत्र 2024-25 के विद्यार्थियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 सितम्बर तथा सत्र 2025-26 के विद्यार्थियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर निर्धारित की गई है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर ग्रामीण के उपनिदेशक गौरव शर्मा ने बताया कि बायोमेट्रिक के कारण शिक्षण संस्थान स्तर पर लॉन्ग है, वे निर्धारित तिथि से पूर्व बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करवाएं, ताकि पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिल सके। निर्धारित तिथि के पश्चात बायोमेट्रिक के कारण लंबित आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

डोटासरा मानसिक अवसाद के शिकार, भाजपा और संघ के फोबिया से ग्रस्त : मदन राठौड़

कांग्रेस का विजन त्रि-सूत्रीय फार्मूला- समाज को बांटना, झूठ फैलाना और तुष्टिकरण करना : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

–कार्यालय संवाददाता–
जयपुर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को मानसिक अवसाद का शिकार बताया, जिन्हें भाजपा और संघ का फोबिया हो गया है। कांग्रेस की जमीनी स्थिति का आकलन उनके पास पहुंच गया है, इसलिए वे अनर्गल प्रलाप कर अपनी सामने दिख रही हार की श्रेष मिटा रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि परिसीमन में बेईमानी कांग्रेस ने पिछले निकाय चुनावों में की थी, जब तुष्टिकरण के आधार पर कोई वार्ड 300 मतदाताओं का बना दिया तो कोई वार्ड 3000 वोटर्स का बना दिया गया, बेईमानी उसे कहते हैं जो उन्होंने की थी। उन्होंने कहा कि भाजपा का कौन कार्यकर्ता,



मदन राठौड़

कौन नेता कहां आएगा, कहां बैठेगा और कहां चुनाव का कार्य देखेगा, ये भाजपा का परिचरभाव के साथ तय करने में सक्षम है।

कांग्रेस और उनके नेताओं का ना तो इसमें चिंता करने की जरूरत है और ना ही ज्ञान देने की जरूरत है। अगर चिंता और ज्ञान ज्यादा ही है तो वे पहले

- स्वरा भास्कर, जब जौहर जैसे पवित्र बलिदान पर सवाल उठाती हैं, तब डोटासरा के मुंह में दही क्यों जम जाता है?: राठौड़

- राठौड़ ने सवाल पूछा कि “दलित जिलाध्यक्ष की पिटाई और कांग्रेस नेत्रियों से अनुचित मांग पर मौन क्यों है कांग्रेस?”

अपने घर की चिंता कर लें।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक तरफ दावा करती है कि दलितों और महिलाओं को सम्मान दे रहे हैं, ये इनके शब्दों के ढकोसले हैं, बीकानेर में जिस कांग्रेस जिलाध्यक्ष को पिटा दिया गया, वो दलित शरीर और विशेष कर, स्वरा भास्कर जैसे लोग राजस्थान की मर्यादा को तार-तार कर देते हैं, जब

किया, पूछने का साहस हो, वहां महिलाओं का सम्मान किस तरह होता है यह किसी से छिपा हुआ नहीं है।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा महिला सम्मान की बात करते हैं, उनकी पार्टी से जुड़े हुए परिवार के लोग और विशेष कर, स्वरा भास्कर जैसे लोग राजस्थान की मर्यादा को तार-तार कर देते हैं, जब

वे जौहर जैसे पवित्र बलिदान पर सवाल उठाते हैं और डोटासरा के मुंह में दही जम जाता है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा झूठ गढ़ने की मशीन से होड़ करते हुए प्रतीत होते हैं, जब वे राजस्थान में पिछले ढाई साल में हुए विकास के काम पर सवाल उठाते हैं। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस का विजन जनता को पता है, समाज को बांटना, झूठ फैलाना और तुष्टिकरण करना। ये ही इनका त्रि-सूत्रीय फार्मूला है, जो आज विजन के नाम पर जनता को सामने रखता है, वो ही काम कांग्रेस ने सरकार में रहते हुए क्यों नहीं किए और अब वो जो दावे कर रहे हैं वो पूरे कैसे करेंगे, ये जनता जानती है कि ये झूठ के पुलौंदे के अलावा कुछ नहीं है।

गई। पुलिस और प्रशासन ने तत्काल गैस कंपनी को सूचना दी। इसके बाद कंपनी की ओर से गैस की सप्लाई बंद करवाई गई, जिससे रिसाव को नियंत्रित करने की कार्रवाई शुरू की जा सकी।

थानाधिकारी रेजल सिंह ने बताया कि गैस सप्लाई बंद होने के बाद करीब आधे घंटे की मशक्कत में रिसाव को नियंत्रित कर लिया गया। समय रहते गैस सप्लाई बंद कराने और पुलिस-प्रशासन की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। रिसाव नियंत्रित होने के बाद पुलिस, प्रशासन और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। घटना के दौरान एहतियात के तौर पर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई।

‘जेडीए की सीलिंग कार्रवाई के विरोध में सुप्रीम कोर्ट जाएंगे कोचिंग संस्थान’

जयपुर । गोपालपुरा बाईपास पर संचालित कोचिंग संस्थानों को हटाकर कोचिंग हब में शिफ्ट करने का मुद्दा तूल पकड़ रहा है। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की ओर से कोचिंग संस्थानों के खिलाफ लगातार की जा रही कार्रवाई के विरोध में अब राजस्थान कोचिंग इंस्टीट्यूट एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी की है।

एसोसिएशन के मुताबिक जेडीए प्रशासन अब तक करीब 30 कोचिंग संस्थानों, 15 लाइसेंस और हॉस्टल को सील कर चुका है। इसके साथ ही अन्य कोचिंग संस्थानों को भी जेडीए द्वारा नोटिस दिए जा रहे हैं। ऐसे में सभी कोचिंग संस्थानों ने सुप्रीम कोर्ट में अपना

पक्ष रखने का निर्णय किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. आरएल पूनिया ने जेडीए की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि कोचिंग संस्थानों से संबंधित जिन बायलॉज के आधार पर कार्रवाई की जा रही है, वे अभी लागू ही नहीं हुए हैं। उनका कहना है कि संबंधित नियम अभी ड्राफ्ट स्तर पर हैं, उनकी वेबसाइट और कार्यालय तक तैयार नहीं हैं। इसके बावजूद इन्हीं प्रस्तावित बायलॉज के आधार पर कोचिंग संस्थानों के अवसर को सील कर रहे हैं। एसोसिएशन लगातार मांग कर रही है कि सुप्रीम कोर्ट की अगली सुनवाई तक कोचिंग संस्थानों को अपना पक्ष रखने तक कार्रवाई न हो।

कांग्रेस चुनाव जीती तो हर निकाय में हर साल होगी सफाईकर्मियों की भर्ती : गोविन्द सिंह डोटासरा

- कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने चुनाव में देरी, परिसीमन, आरक्षण, सफाई व्यवस्था, नामांकन और जयपुर की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर निशाना साधा

–कार्यालय संवाददाता–
जयपुर। निकाय चुनाव की सरगमियों के बीच कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शुक्रवार को पीसीसी वॉर रूम में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा सरकार पर चुनाव में देरी, परिसीमन, आरक्षण, सफाई व्यवस्था, नामांकन और जयपुर की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि हाईकोर्ट के आदेश और अवमानना की कार्रवाई के बाद सरकार को चुनाव कराने पड़े। करीब डेढ़ साल तक निकायों में प्रशासक रहने से जनता के काम प्रभावित हुए।

डोटासरा ने परिसीमन पर सवाल उठाते हुए कहा कि कहीं 10 हजार तो कहीं 30 हजार तक की आबादी वाले वार्ड बनाए गए। उन्होंने आरक्षण लॉटरी में भी मनमानी का आरोप लगाया। कहा कि पहली बार नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाओं की संयुक्त लॉटरी निकाली गई, जिसके चलते प्रदेश के 10 नगर निगमों में किसी में भी महापौर पद एससी-एसटी के लिए आरक्षित नहीं हुआ। एक पक्ष पर ओबीसी के लिए आरक्षित हुआ, जबकि एससी-एसटी आरक्षण नगर पालिकाओं तक सीमित रहा।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने टिकट वितरण में 40 वर्ष से कम उम्र के 49.33 प्रतिशत, ओबीसी के 48.85 प्रतिशत, एससी के 21.81 प्रतिशत, एसटी के 5.23 प्रतिशत और महिलाओं के 35.90 प्रतिशत उम्मीदवारों को मौका दिया है।

जयपुर की समस्याओं पर भाजपा को घेरा

डोटासरा ने गड़ौा, ट्रैफिक जाम, कचरे, बंदरों, सुअरों और आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर भाजपा बोर्ड की निशाना साधा। आदर्श सिकल जैसे प्रमुख स्थानों पर स्ट्रीट लाइट नहीं जलने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि 23 हजार से अधिक पदों की घोषणा के बावजूद तीन साल में भर्ती पूरी नहीं हुई। नई भर्ती में शर्तों के कारण अब तक करीब चार हजार आवेदन आने का दावा करते हुए

इस्कॉन मंदिर में गैस सिलेंडर में आग लगी

जयपुर । जन्माष्टमी के मौके पर शुक्रवार को मुहाना स्थित इस्कॉन मंदिर में गैस सिलेंडर में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। मंदिर परिसर में भट्ठी जलाते समय अचानक गैस सिलेंडर ने आग पकड़ ली। देखते ही देखते आग की लपट वीआईपी पंडाल तक पहुंच गई। हादसे के दौरान मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे, जिससे हड़कंप मच गया।

आग की सूचना मिलते ही मुहाना थाने में तैनात कांस्टेबल कान सिंह ने साहस का परिचय देते हुए आग के बीच पहुंच कर श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद उन्होंने जलते हुए गैस सिलेंडर को उठाकर परिसर से बाहर फेंक दिया। आसपास कई अन्य गैस सिलेंडर रखे होने के कारण आग के फैलने और बड़े हादसे का खतरा था, लेकिन कांस्टेबल की सूझबूझ से स्थिति बिगड़ने से बच गई।

इधर घटना की सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। पुलिस और



गोविंद सिंह डोटासरा

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने पर हर निकाय में हर साल सफाईकर्मियों की भर्ती और घर-घर कचरा संग्रहण मुफ्त किया जाएगा।

500 रुपए में पड़े देने का वादा

डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आई तो 500 रुपए में मकान का पट्टा देने की व्यवस्था जारी रखी जाएगी। नामांतरण शुल्क में राहत बरकरार रखने तथा सीसी रोड, ड्रेनेज, सीवरेज और एसटीपी के लिए अतिरिक्त बजट देने की बात कही।

विकास कार्यों का स्टेटस और शिकायतों का निस्तारण ऑनलाइन करने का भी वादा किया। जयपुर मेट्रो की नई डीपीआर में बदलाव को लेकर उन्होंने अतिरिक्त खर्च और संचालन प्रभावित होने की आशंका जताई तथा भ्रष्टाचार और मनमानी के आरोप लगाए।

नामांकन में सत्ता के दुरुपयोग का आरोप

डोटासरा ने बीकानेर, मालपुरा, नाथद्वारा, पाली और भीलवाड़ा में कांग्रेस व समर्थित निर्दलीय प्रत्याशियों पर दबाव और नामांकन में भेदभाव का दावा किया। आदर्श नगर के वार्ड टिकट विवाद पर उन्होंने कहा कि तथ्य सामने आने पर जांच होगी। टिकट वितरण के मतभेद बातचीत से सुलझाने का दावा करते हुए उन्होंने अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले बाणियों पर कार्रवाई के संकेत दिए। डोटासरा ने दावा किया कि कांग्रेस निकाय चुनाव में बड़ी जीत हासिल करेगी।

इस्कॉन मंदिर में गैस सिलेंडर में आग लगी

- पुलिस कांस्टेबल की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला

दमकल कर्मियों की तत्परता से आग को अन्य हिस्सों में फैलने से रोक लिया गया। इससे मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं की जान पर भंडरा रहा बड़ा खतरा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कांस्टेबल कान सिंह ने अपनी जान की परवाह किए बिना आग के बीच जाकर श्रद्धालुओं को बाहर निकाला और जलते सिलेंडर को परिसर से बाहर फेंका। उनकी इस बहादुरी और त्वरित कार्रवाई की मौके पर मौजूद लोगों ने सराहना की।

जन्माष्टमी के अवसर पर मुख्यमंत्री का शुक्रवार शाम इस्कॉन मंदिर आने का कार्यक्रम भी प्रस्तावित बताया गया है। मुख्यमंत्री के दौर से पहले मंदिर परिसर में आग की घटना के बाद प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं।

राजस्थान के युवाओं को 4 हजार रुपए देगी केन्द्र व राज्य सरकार

राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना 2.0 के तहत 1 500 रुपए केन्द्र तथा 2 500 रुपए प्रतिमाह राज्य सरकार देगी

जयपुर (कासं)। राजस्थान में युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण और व्यावहारिक कौशल उपलब्ध कराने के लिए अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा दिया जा रहा है। राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना 2.0 के तहत पात्र अप्रेंटिस को केंद्र सरकार की ओर से 1500 प्रतिमाह की स्टाइपेंड सहायता प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से दी जा रही है। वहीं राजस्थान सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की बजट घोषणा के तहत राजस्थान अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना में पात्र अप्रेंटिस 2500 प्रतिमाह अतिरिक्त वित्तीय सहायता दी जायेगी। इस स्कीम का उद्देश्य उद्योगों एवं प्रतिष्ठानों में अप्रेंटिसशिप के अवसर बढ़ाना, युवाओं को रोजगार से जुड़े व्यावहारिक कौशल प्रदान करना और एमएसएमई क्षेत्र में अप्रेंटिसशिप को

प्रोत्साहित करना है। योजना के तहत युवाओं को वास्तविक कार्यस्थल पर प्रशिक्षण और अनुभव हासिल करने का अवसर मिलता है।

2025-26 में 32243 अप्रेंटिस जुड़े

जानकारी के मुताबिक राजस्थान में अप्रेंटिसशिप के प्रति युवाओं और प्रतिष्ठानों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। 2021-22 में 12,850 अप्रेंटिस की उपलब्धि रही, जो 2022-23 में 15204 हुई, 2023-24 में 18230 और 2024-25 में बढ़कर 22328 हो गई। वर्ष 2025-26 में 32243 अप्रेंटिस की उपलब्धि दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 44.4 प्रतिशत अधिक है। यह वार्षिक लक्ष्य 24010 के मुकाबले 135 प्रतिशत

उपलब्धि है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1 सितंबर 2026 तक 15122 अप्रेंटिस की उपलब्धि दर्ज की गई है, जबकि वार्षिक लक्ष्य 35,594 निर्धारित है। अप्रेंटिसशिप सहभागिता के मामले में वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजस्थान उत्तरी भारत के राज्यों में दूसरे स्थान पर रहा।

कौशल दर्पण पोर्टल से होगा भुगतान

राज्य सरकार की 2500 की अतिरिक्त सहायता के भुगतान के लिए सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा कौशल दर्पण पोर्टल पर समर्पित भुगतान मॉड्यूल विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से पात्र अप्रेंटिस को अतिरिक्त सहायता राशि का भुगतान किया जाएगा।



गणेश चतुर्थी पर

भव्य लॉन्च



14 सितंबर 2026



नीमकाथाना की पहली गेटेड टाउनशिप

प्री-लॉन्च रेट
₹16,500
प्रति वर्ग गज

लॉन्च रेट (गणेश चतुर्थी)
₹18,000
प्रति वर्ग गज

दिवाली की रेट
₹20,000
प्रति वर्ग गज

1 दुकान की कीमत: ₹16.50 लाख

2 दुकानों की कीमत: ₹25 लाख

सिर्फ 10 दिन में ₹1500 प्रति वर्ग गज रेट बढ़ेगी !

KEDIA®



1800-120-2323
78770-72737



info@kedia.com



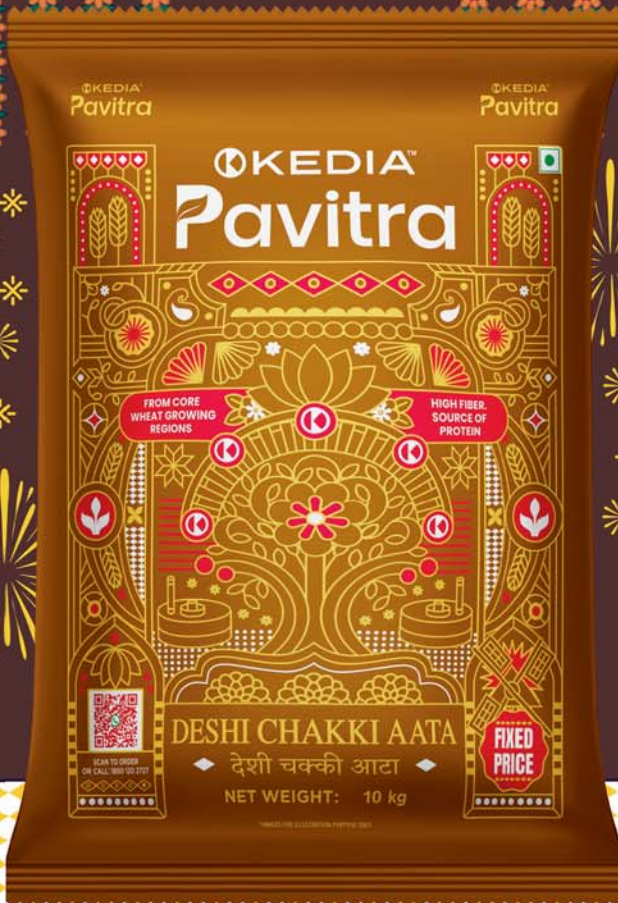
www.kedia.com

T&C Apply



आटा तो पवित्र ही खिलाकर रहेंगे !

केडिया पवित्र देशी चक्की आटा 10 किलो
अब सिर्फ ₹400 में



नजदीकी रिटेलर, सुपरमार्केट
और Zepto पर उपलब्ध !



आटा । दलिया । सुजी । बेसन । सत्तू । दाल । चावल । खड़े, पीसे एवं ब्लेंडेड मसाले। हींग। कुकिंग ऑयल ।
ड्राई फ्रूट्स । फ्लेवर्ड मसाला । गुड़ । मिश्री । सेंधा नमक । पोहा और चाय सहित कमलीट किचन बास्केट



दुकान हो या सुपरमार्केट
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800-120-2727